page 1 and 8 may 2_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/2/2026 2:08 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 वेद ही सच्चे और शाश्वत ज्ञान का एकमात्र स्रोत

5 शिखर धवन केह्र डा वन स्पोर्टस ने ग्वालियर में पहला हाई परफार्मेंस सेंटर लांच किया

8 धनिया की उन्नत खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 22, अधिकतम 32

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-106 | जम्मू तवी, शनिवार 02 मई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

नदी में फिसलकर गिरने के छह दिन बाद नाबालिग लड़के का शव बरामद

श्रीनगर, 1 मई । जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में इस सप्ताह की शुरुआत में एक नदी में फिसलने के बाद लापता हुए एक नाबालिग लड़के का शव शुक्रवार को बरामद किया गया । अधिकारियों ने बताया कि टिकेन गांव का निवासी मोहम्मद हंजला (4) रविवार को दुर्घटनावश तेजी से बहने वाली रामबियारा धारा में फिसल गया और दुबजान ब्रिज के पास तेज धारा में बह गया। बचाव अभियान चलाया गया लेकिन लड़के का पता नहीं चल सका। अधिकारियों ने बताया कि शोपियां जिले में तलाशी अभियान के छठे दिन शव बरामद किया गया।

लेफ्टिनेंट जनरल बलबीर सिंह ने जीओसी 15 कोर के रूप में पदभार संभाला

श्रीनगर, 1 मई। लेफ्टिनेंट जनरल बलबीर सिंह ने शुक्रवार को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण एक्स वी कोर (चिनार कोर) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) के रूप में कार्यभार संभाला। । चिनार कोर कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) की सुरक्षा और घाटी में आंतरिक सुरक्षा अभियानों की देखरेख के लिए जिम्मेदार है। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह की नियुक्ति केंद्र शासित प्रदेश में निरंतर उग्रवाद और आतंकवाद विरोधी प्रयासों के बीच हुई है। जम्मू-कश्मीर में गहरी परिचालन जड़ों वाले एक अनुभवी अधिकारी, लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने आतंकवाद विरोधी (सीआई) और आतंकवाद विरोधी (सीटी) अभियानों से जुड़ी कई प्रमुख भूमिकाओं में काम किया है।

अपनी पदोन्नति से पहले वह उत्तरी कमान में मेजर जनरल जनरल स्टाफ (एमजीजीएस) के रूप में कार्यरत थे।

बैंक के पास 2,000 रुपये के 98.47 फीसदी नोट आए वापस: आरबीआई

नई दिल्ली/मुंबई, 01 मई । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि चलन में रहे दो हजार रुपये मूल्य के 98.47 फीसदी नोट बैंक में वापस आ चुके हैं। हालांकि केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि 2,000 रुपये मूल्य के बैंक नोट अभी भी वैध मुद्रा बने हुए हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये मूल्य के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। रिजर्व बैंक के मुताबिक 19 मई, 2023 को जब इस नोट को वापस लेने की घोषणा की गई थी, उस समय चलन में दो हजार रुपये के नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था, जो 30 अप्रैल, 2026 को घटकर 5,451 करोड़ रुपये रह गया है।

लद्दाख में बुद्ध अवशेष प्रदर्शनी का शुभारंभ, अमित शाह बोले- शांति व सहअस्तित्व का संदेश और प्रासंगिक

मोदी सरकार के लिए लद्दाख का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता- गृह मंत्री

लेह, 01 मई । बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर लद्दाख में भगवान तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेषों की पहली राष्ट्रीय प्रदर्शनी के उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 75 वर्षों के बाद इन अवशेषों का लद्दाख आगमन ऐतिहासिक और सौभाग्यपूर्ण क्षण है, जो पूरी मानवता को शांति, सहअस्तित्व एवं मध्यम मार्ग का संदेश देता है। भारत की सभ्यता हजारों वर्षों से ज्ञान और करुणा पर आधारित रही है और आज बुद्ध के संदेश की प्रासंगिकता पहले से अधिक बढ़ गई है।

यहां धार्मिक कार्यक्रम स्थल जिवेत्सल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में लद्दाख के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, लद्दाख बौद्ध संघ के अध्यक्ष त्सेरिंग दोरजे लाकरूक, लद्दाख गोंपा संघ के अध्यक्ष दोरजे स्टांजिन, रिनपोछे क्याबजे द्रुक्पा थुकसे, डॉ लोबजांग त्सेवांग सहित बौद्ध समुदाय के कई प्रमुख धार्मिक नेता, आध्यात्मिक गुरु मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक लामा वादन, त्सोग अर्पण, दीप प्रज्वलन और पवित्र अवशेषों के दर्शन कराए गए। साथ ही तिब्बती सांस्कृतिक कार्यक्रम, भक्ति गीत और लद्दाखी लोक नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिनमें क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की झलक दिखाई दी।

कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि आज से 563 ईसा पूर्व लुंबिनी में सिद्धार्थ का जन्म हुआ, ज्ञान प्राप्ति के बाद वे तथागत बुद्ध कहलाए और 80 वर्ष की आयु में कुशीनगर में उनका महापरिनिर्वाण हुआ। ऐसे संयोग इतिहास में विरले ही देखने को मिलते हैं, जिसका जन्म, ज्ञान प्राप्ति और मृत्यु एक ही दिन हुए हों। इससे बुद्ध का जीवन और उनका संदेश और अधिक विशिष्ट बन जाता है।

उन्होंने कहा कि 75 वर्ष पहले जब बुद्ध के अवशेष यहां लाए गए होंगे, तब बुनियादी सुविधाएं सीमित रही होंगी, लेकिन आज विकसित अवसंरचना के बीच इन अवशेषों का आगमन नए युग का प्रतीक है। यह दिन लद्दाख के लोगों के लिए विशेष सौभाग्य का दिन है और यह ऐतिहासिक मिलन का क्षण है, जब तथागत बुद्ध की स्मृतियां पुनः इस भूमि से जुड़ रही हैं। अमित शाह ने कहा कि लद्दाख बुद्ध के धम्म की भूमि रही है और यहां सदियों से उनके विचारों का संरक्षण और संवर्धन होता रहा है। जब दलाई लामा यहां आते हैं तो वे इस भूमि को बौद्ध संस्कृति और करुणा की जीवंत प्रयोगशाला बताते हैं। कठिन समय में इस क्षेत्र ने बुद्ध के ज्ञान को सुरक्षित रखा और अनुकूल समय में उसे आगे बढ़ाया। उन्होंने बौद्ध परंपराओं का जिक्र करते हुए कहा कि निंगमा, काग्यू, साक्य और गेलुग जैसी परंपराओं का मूल संदेश वस्तु को उसी रूप में देखने का है जैसा वह है। यह दृष्टिकोण वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण है, जब दुनिया संघर्ष और अस्थिरता का सामना कर रही है। गृहमंत्री ने कहा कि लद्दाख में इन पवित्र अवशेषों की उपस्थिति यह स्मरण कराती है कि भारत की सभ्यता शांति और सहअस्तित्व के मूल्यों पर आधारित है। युद्ध और संघर्ष के समय में भी शांति का मार्ग ही मानवता को आगे बढ़ा सकता है और यही बुद्ध का संदेश है।

उपराज्यपाल ने राष्ट्रीय आत्मविश्वास और विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री की सराहना की

आज भारतीय प्रवासी दुनिया भर में गर्व की भावना से भरे हुए हैं, जिसका कारण भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा की पुनर्स्थापना है।

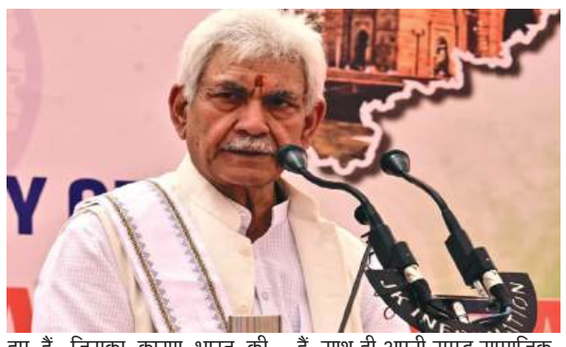

जम्मू तवी, 1 मई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले 12 वर्षों के नेतृत्व ने देश के नागरिकों को संकल्प को कर्म में बदलने की प्रेरणा दी है, जिससे पूरे देश में आत्मविश्वास, गरिमा और प्रगति की नई भावना पैदा हुई है।

जम्मू-कश्मीर लोक भवन में गुजरात और महाराष्ट्र के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का कार्यकाल दृढ़ संकल्प और समावेशी विकास के माध्यम से देश की विकास यात्रा को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक काल रहा है। उन्होंने कहा कि यह दौर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित शासन प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि आज भारतीय प्रवासी दुनिया भर में गर्व की भावना से भरे हुए हैं, जिसका कारण भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा की पुनर्स्थापना है। उन्होंने यह भी कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की साझा दृष्टि देश के सभी वर्गों को एकजुट कर रही है। अनुच्छेद 370 के 5 अगस्त 2019 को हटाए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह निर्णय सरदार वल्लभभाई पटेल के दृष्टिकोण को साकार करता है और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करता है। गुजरात और महाराष्ट्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि दोनों राज्य भारत की आर्थिक वृद्धि के प्रमुख इंजन हैं, जो देश के जीडीपी और निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, साथ ही अपनी समृद्ध सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को भी संरक्षित रखते हैं।उन्होंने कहा कि गुजरात अपनी उद्यमशीलता और सादगी के लिए जाना जाता है, जबकि महाराष्ट्र अपने उद्योग, वीरता और आध्यात्मिक विरासत के लिए वैश्विक सम्मान प्राप्त करता है। उपराज्यपाल ने गुजरात के महापुरुषों महात्मा गांधी, सरदार पटेल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने समर्पण और आत्मविश्वास के माध्यम से भारत के भविष्य को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि गांधीजी का सत्य, अहिंसा और सेवा का दर्शन आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है।

देश-विदेश के 1 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए अस्थि अवशेष के दर्शन

वाराणसी, 01 मई । बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में सारनाथ स्थित मूलगंध कुटी विहार बौद्ध मंदिर में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के दर्शन के लिए आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। जहां देश-विदेश से आए 01 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेष का दर्शन किया। इस अवसर पर सारनाथ में आयोजित बौद्ध महोत्सव ने श्रद्धा, ज्ञान और संस्कृति का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। भगवान बुद्ध की 2570वीं जयंती पर अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश), महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया और इंडो-श्रीलंका जम्बू द्वीप बुद्ध विहार, सारनाथ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

बतलाब में एक छोटे पुल का एक हिस्सा ढहा, तीन से चार मजदूर मलबे के नीचे दबे

जम्मू, 01 मई । आधिकारिक सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को जम्मू शहर के बाहरी इलाके बंतलाब क्षेत्र में एक छोटे पुल का एक हिस्सा ढह गया जिससे कम से कम तीन से चार मजदूर मलबे के नीचे दब गए जबकि एक घायल मजदूर को बचा लिया गया। पुल का हिस्सा गिरने के बाद अधिकारियों ने सड़क संपर्क बंद कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि यह घटना तब हुई जब मजदूर पुल के पास एक रिटेनिंग दीवार की मरम्मत कर रहे थे जो पिछले साल की बाढ़ में क्षतिग्रस्त हो गई थी। सूत्रों के अनुसार पुल का एक हिस्सा अचानक टूट गया जिससे काम कर रहे मजदूर मलबे के नीचे दब गए। पुलिस, सेना और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों ने मलबे के नीचे दबे लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने एक घायल मजदूर को बाहर निकाला और उसे अस्पताल में भर्ती कराया। मौके पर मौजूद मजदूरों के परिवार वालों ने बताया कि घटना के समय काम कर रहे लगभग छह मजदूर मलबे के नीचे दब गए। परिवार वालों ने बताया कि दो मजदूर भागने में सफल रहे जबकि चार फंस गए। सूत्रों के अनुसार मलबे में फंसे लोगों में एक महिला मजदूर का पति, एक राजमिस्त्री, एक अविवाहित मजदूर और ठेकेदार का एक रिश्तेदार शामिल हैं। समाचार लिखे जाने तक मलबे के नीचे फंसे लोगों की सही संख्या की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी। बचाव अभियान जारी है।

भारत और तंजानिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार 9 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली, 01 मई। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत और तंजानिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार 9 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। यह दोनों देशों के बीच तेजी से बढ़ते आर्थिक संबंधों को दर्शाता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि तंजानिया के दार एस सलाम में द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को और सशक्त बनाने के लिए भारत-तंजानिया की दो दिन की संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) का पांचवां सत्र 29-30 अप्रैल को संपन्न हुआ। इस सत्र में अगस्त 2017 में राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित पिछले सत्र के बाद हुई प्रगति की समीक्षा की गई।

लाखों रुपये के सरकारी नौकरी धोखाधड़ी मामले में आरोपपत्र दाखिल

श्रीनगर, 01 मई । अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर अपराध शाखा की कश्मीर विशेष अपराध शाखा ने लाखों रुपये के सरकारी नौकरी धोखाधड़ी मामले में श्रीनगर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। आरपीसी की धारा 201, 419, 420, 468, 471 और 120-बी के तहत एफआईआर संख्या 09/2019 में तीन आरोपियों - मालोरा शाल्टेंग श्रीनगर के फैयाज अहमद खान, शान्जीपोरा हंदवाडा के शौकत अहमद शाह और शाल्टेंग ख्वाजा बाग के ओवैस अहमद राथर के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया है। यह मामला पुलवामा के निवासियों की शिकायत से जुड़ा है जिन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उनके बच्चों और रिश्तेदारों को सरकारी नौकरी दिलाने के बहाने उनसे लाखों रुपये की धोखाधड़ी की। जांच के दौरान पता चला कि आरोपियों ने आपराधिक साजिश रचकर प्रभावशाली अधिकारियों का रूप धारण किया और वन विभाग से फर्जी नियुक्ति पत्र जारी किए। बाद में इन दस्तावेजों की जांच की गई और वे जाली पाए गए। आरोपियों ने सरकारी नौकरी दिलाने के बहाने पीड़ितों से भारी मात्रा में नकद राशि वसूल की थी। अधिकारियों ने बताया कि चालान को न्यायिक निर्णय के लिए सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया है। इस बीच अपराध शाखा ने आम जनता से ऐसी धोखाधड़ी वाली योजनाओं के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे ऐसी किसी भी घटना की सूचना एसएसपी स्पेशल क्राइम विंग कश्मीर को दें या विभाग की आधिकारिक ईमेल आईडी के माध्यम से शिकायत दर्ज कराएं। अधिकारियों ने नौकरी संबंधी धोखाधड़ी में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और नागरिकों को वित्तीय शोषण से बचाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मौसम विभाग ने 5 मई तक जम्मू-कश्मीर में बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई

श्रीनगर, 1 मई। मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर में 3 और 4 मई के बीच बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है, जिसके साथ तेज हवाएं और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है।

शाम के मौसम बुलेटिन के अनुसार, 1 मई को मौसम सामान्यतः शुष्क रहा, हालांकि दोपहर के समय कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई। 2 मई को भी कुछ इलाकों में हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें और तेज हवाएं चल सकती हैं।मौसम विभाग ने कहा, 3 और 4 मई को अधिकांश स्थानों पर आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और एक-दो बार हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। कुछ स्थानों पर गरज, ओलावृष्टि और 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

5 मई को भी कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या बौछारें पड़ने की संभावना है, जबकि 6 से 9 मई के बीच मौसम सामान्यतः शुष्क रहने की उम्मीद है, हालांकि दोपहर में कहीं-कहीं हल्की बारिश से इनकार नहीं किया जा सकता। 10 और 11 मई को भी कुछ स्थानों पर ऐसे ही हल्के मौसम बदलाव की संभावना है।

मौसम विभाग ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए 3 से 5 मई के बीच खराब मौसम की संभावना के चलते कृषि कार्य रोकने की सलाह दी है। इस बीच, केंद्र शासित प्रदेश में तापमान में मिला-जुला रुख देखा गया। शीतकालीन राजधानी जम्मू में अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 20.7 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से थोड़ा कम है। कटरा में 30.5 और 18.0 डिग्री, जबकि बनिहाल में 24.8 और 9.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। भद्रवाह में 25.0 और 6.8 डिग्री तापमान रहा।

पीडीपी ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा की मदद की, उर्दू का मुद्दा उठाकर ध्यान भटकाया: मुख्यमंत्री उमर

जम्मू, 01 मई । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) पर राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मदद करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पीडीपी अब भाजपा की मदद करने में अपनी भूमिका से जनता का ध्यान भटकाने के लिए उर्दू का मुद्दा उठा रही है।

पत्रकारों से बात करते हुए उमर ने आरोप लगाया कि पीडीपी ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा का समर्थन किया इसीलिए वे उर्दू, उर्दू कह रहे हैं। एक हाथ से कुछ दिखा रहे हैं और दूसरे हाथ से कुछ और कर रहे हैं। उन्होंने राज्यसभा में भाजपा की मदद की, वे नहीं चाहते कि लोग इस पर ध्यान दें। वे उर्दू की बात कर रहे हैं। मैं पहले ही स्पष्ट कर चुका हूं कि उर्दू को लेकर उनके दावों में कोई सच्चाई नहीं है। वे इससे पीछे नहीं हटेंगे। वे अंदरूनी तौर पर उनकी मदद कर रहे हैं।

उमर ने आरटीआई आवेदन के माध्यम से राज्यसभा चुनावों से संबंधित हालिया खुलासों के बारे में कहा कि पिछले अनुभव बताते हैं कि एग्जिट पोल अक्सर वास्तविक परिणामों को प्रतिबिंबित करने में विफल रहते हैं। उन्होंने कहा कि जब पश्चिम बंगाल में चुनाव हुए थे तो अधिकांश एग्जिट पोल भाजपा के पक्ष में थे, परिणाम क्या हुआ अब हमें ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा, सोमवार तक परिणाम आ जाएंगे और ये एग्जिट पोल एक बार फिर गलत साबित हो जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि कम से कम एक पोलस्टर ने अपने निष्कर्ष जारी नहीं किए क्योंकि अनुमान उनके मन मुताबिक नहीं थे।

उर्दू भाषा को लेकर विवाद पर मुख्यमंत्री ने इसे हटाने के किसी भी निर्णय से इनकार करते हुए कहा कि सरकार ने केवल एक प्रस्ताव पर जनता की प्रतिक्रिया आमंत्रित की थी। उन्होंने कहा कि जनता की राय लेना और अंतिम निर्णय लेना दोनों में स्पष्ट अंतर है।

अमरनाथ यात्रा के लिए सीआरपीएफ ने एनएच-44 पर की कड़ी सुरक्षा

जम्मू, 01 मई । श्री अमरनाथ यात्रा व सचिवालय के कर्मचारियों और अभिलेखों को जम्मू से श्रीनगर स्थानांतरण के मद्देनजर सीआरपीएफ की 84 बटालियन ने राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर सुरक्षा व्यवस्था को उच्चतम स्तर पर बढ़ा दिया है। सचिवालय के कर्मचारी 30 अप्रैल की सुबह से जम्मू से श्रीनगर की ओर रवाना हो चुके हैं ताकि 4 मई को श्रीनगर सचिवालय में अपनी ड्यूटी पर उपस्थित हो सकें। रामबन के चंदरकोट क्षेत्र में स्थित सीआरपीएफ की 84 बटालियन का अधिकार क्षेत्र नशरी में स्थित 9.8 किलोमीटर लंबी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग से लेकर डिगडोल तक

फैले एनएच-44 के 47 किलोमीटर के क्षेत्र पर है। बटालियन ने राजमार्ग पर विशेष रूप से महत्वपूर्ण सामरिक और रणनीतिक दृष्टि बिंदुओं पर, अपने जवानों को पूरी ताकत से तैनात किया है। सीआरपीएफ की 84वीं बटालियन के कमांडेंट एन रणबीर सिंह ने कहा, हर साल की तरह, जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में दरबार मूव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अब जम्मू में कार्यालय बंद हो गए हैं और 4 तारीख को श्रीनगर में खुलेंगे। हम राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के 47 किलोमीटर हिस्से की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं जो जम्मू और कश्मीर घाटी को जोड़ता है। सीआरपीएफ की 84वीं बटालियन के कमांडेंट एन रणबीर सिंह के अनुसार श्रीनगर जा रहे मंत्रियों, अधिकारियों, राजनेताओं, विधायकों और कर्मचारियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए सीआरपीएफ ने बॉम्बे डिस्पोजल स्क्वाड, स्निफर डॉग स्क्वाड और ड्रोन तैनात किए हैं। हमारे अधिकांश जवान मौके पर तैनात रहेंगे। आईईडी रोधी टीमों, बम निरोधक दस्तों, खोजी दस्ते, ड्रोन और त्वरित कार्रवाई टीमों सहित हमारे सभी संसाधन हमारे उत्तरदायित्व क्षेत्र में रणनीतिक रूप से तैनात किए जाएंगे। शांतिपूर्ण और सफल यात्रा सुनिश्चित करने के लिए हम राजमार्ग पर पूरी तरह से नियंत्रण रखेंगे।

एग्जिट पोल फिर गलत साबित होंगे : फारूक

श्रीनगर, 1 मई। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें एग्जिट पोल पर कभी भरोसा नहीं रहा और उम्मीद जताई कि इस बार भी वे गलत साबित होंगे। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, मैंने कभी एग्जिट पोल पर भरोसा नहीं किया। ये पहले भी गलत साबित हुए हैं और मुझे उम्मीद है कि इस बार भी गलत साबित होंगे। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव हुए थे और एग्जिट पोल में भाजपा को बढ़त दिखाई गई है। सोशल मीडिया पर अलगाववाद को बढ़ावा देने के आरोप में पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर पूछे गए सवाल पर अब्दुल्ला ने कहा कि वह ऐसे मामलों में हस्तक्षेप नहीं करते। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता एफआईआर क्यों दर्ज हुई। मैं इन मामलों में नहीं पड़ता। इल्तिजा मुफ्ती खुद जानती होंगी कि उनके खिलाफ एफआईआर क्यों हुई। हज यात्रा के लिए हवाई किराए में बढ़ोतरी पर उन्होंने कहा कि यह ईंधन की कीमतों में वृद्धि के कारण है। उन्होंने कहा, ईंधन महंगा हो गया है, इसमें कुछ नहीं किया जा सकता। अगर यह युद्ध नहीं रुका तो पता नहीं कीमतें और कितनी बढ़ेंगी। आरटीआई के जवाब में यह सामने आने पर कि पीडीपी ने पिछले साल राज्यसभा चुनाव में कोई मुख्य एजेंट नियुक्त नहीं किया था, अब्दुल्ला ने कहा कि पीडीपी ने एनसी उम्मीदवारों को वोट नहीं दिया था। उन्होंने कहा, उन्होंने हमें वोट नहीं दिया। उनसे पूछिए कि उन्होंने किसे वोट दिया। पीडीपी द्वारा यह कहे जाने पर कि चुनाव के बाद एनसी प्रमुख ने पार्टी का सार्वजनिक रूप से धन्यवाद किया था, अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें नहीं पता किसने किसे वोट दिया।

महंगा हुआ कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर, दिल्ली में मिलेगा 3,071.50 रुपये का

नई दिल्ली, 01 मई । देश की सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने एलपीजी सिलेंडर की कीमत में जबरदस्त बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। हालांकि ये बढ़ोतरी सिर्फ कमर्शियल सिलेंडर यानी 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर में ही की गई है। आज सुबह से कमर्शियल सिलेंडर के भाव में लगभग एक हजार रुपये की बढ़ोतरी की गई है। राहत की बात है कि आज की इस बढ़ोतरी से 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर को बाहर रखा गया है।

क्योंकि हर बच्चा अलग है

बच्चों को लेकर माता-पिता का फिक्र करना स्वाभाविक है, पर इस बात को लेकर बहुत अधिक परेशान होना भी ठीक नहीं है। माना कि बच्चों की परवरिश बड़ी जिम्मेदारी है और आप इस कसौटी पर खरा उतरना चाहती हैं, पर बहुत अधिक फिक्र और बात-बात में टोकने की आदत बच्चों को आपसे दूर कर सकती है, इसलिए इस मामले में बहुत अधिक कॉन्शस होने के बजाय कुछ बातों का खास ध्यान रखें

याद रखें, अगर कोई तरीका आपकी दोस्त के बच्चों की परवरिश में कारगर साबित हुआ है तो इसका यह अर्थ नहीं कि आपके बच्चे के मामले में भी वह सही ही साबित होगा। माता-पिता हमेशा कहते हैं कि हमारा बच्चा दूसरे बच्चों से अलग है। जब ऐसा है तो जाहिर है कि उसकी परवरिश में वे नियम लागू नहीं हो सकते, जो दूसरे अभिभावक अपने बच्चों के साथ अपनाते हैं, इसलिए बच्चों की परवरिश के मामले में किसी की नकल करने से पहले उसके सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के बारे में भली प्रकार से सोच-विचार कर लें। इसके बाद अपनी जरूरत के हिसाब से फैसला करें।

सही बात पर हो फोकस

हम सभी जिंदगी में छोटी-छो टी बातों को लेकर परेशान होते हैं, पर इस चक्कर में उन बातों को भूल जाते हैं जिन पर वास्तव में ध्यान दे ना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को लगातार टोकते रहना ठीक नहीं। बच्चों से थोड़ी- बहुत गलतियां होना स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, सामान को करीने से रखने के बजाय वे उसे इधर- उधर रख देते हैं। हो सकता है कि आप उनसे कोई काम करने को कहें और वे उसे पूरा करने के चक्कर में काम औ र बढ़ा दें। इसके लिए उन्हें बुरी तरह डांटना ठीक नहीं है। इससे कोई फायदा होने वाला नहीं है। उत्तेजित होने से काम नहीं चलेगा, धैर्य रखते हुए बच्चों को अनुशासन सिखाएं। उन्हें बतायें कि किसी काम को करने का सही तरीका क्या है।

अनावश्यक बोझ ठीक नहीं

आप चाहेंगी कि आपका बच्चा सबसे काबिल बने, पर इसकी खातिर उस पर किसी काम का अनावश्यक बोझ लादना ठीक नहीं। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को एक्टिव रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना जरूरी है। कई बार इस चक्कर में अभिभावक बच्चों पर जरूरत से ज्यादा बोझ लाद देते हैं। एक मां होने के नाते आपको मालूम होना चाहिए कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं। उसके अनुरूप ही बच्चे के लिए हॉबी क्लासेज या ट्यूशन आदि निर्धारित करें।

जासूसी करना ठीक नहीं

बच्चों की हर बात को अविास की नजर से देखना ठीक नहीं है। कुछ मां-बाप की यह आदत होती है कि वे बच्चों की बातों पर आसानी से विास नहीं करते। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना और उनकी जासूसी करने में अंतर है। असंगत बातों को लेकर परेशान होने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। अभिभावक होने के नाते बच्चों को सही-गलत की जानकारी देना आपका फर्ज है, लेकिन उनकी हर बात पर संदेह करना और उनकी जासूसी करना गलत है। अपनी परवरिश पर भरो सा करें। आपको इस बात का यकीन होना चाहिए कि आपने बच्चे को सही-गलत का फर्क भली-भांति समझाया गया है और वे सही फैसला लेने के काबिल हैं।

अपनी अपेक्षाओं पर लगाम कसें

अक्सर मां-बाप बच्चों से कुछ ज्यादा अपेक्षाएं करने लगते हैं, इससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं और उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित होता है। अगर किसी मामले में बच्चा निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं कर पाता तो वह बात उसे परेशान करती रहती है। बच्चे के सामने ऊंचे मानक रखकर उसे तनाव में डालने की गलती न करें। इसके बजाय अच्छे प्रदर्शन के लिए उसे प्रेरित करने और उसका उत्साह बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। उससे हमेशा यह कहें कि कोशिश करने पर सफलता मिलती ही है। ये बातें भले ही छोटी और सामान्य लगें, पर इनका असर सचमुच बड़ा है।

दुष्टों की एकता

एक वन में मदोत्कट नामक एक सिंह रहता था, उसके तीन सेवक थे-बाघ, गीदड़ और कौवा। एक दिन सिंह ने एक ऊंट को देखा, वह अपने काफिले से बिछुड़ गया था। सिंह ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे यह पता लगाएं कि यह कौन सा जानवर है और जंगली है या पालतू।

कुछ देर बाद कौवे ने बताया, यह गांव में रहने वाला एक पशु है, इसका नाम ऊंट है। यह आपका भोजन है, आप इसे मार डालिए। सिंह ने कहा, यह हमारा अतिथि है। इसे मारना उचित नहीं है। तुम इसे आदर के साथ मेरे पास ले आओ।

कौवा ऊंट को ले आया। ऊंट ने सिंह को प्रणाम किया और अपने साथियों से बिछुड़ने का किस्सा सुनाया। ऊंट की दर्द भरी कहानी सुनकर सिंह को दया आ गई। उसने अपने जंगल में ऊंट को घूमने और घास खाने की इजाजत दे दी।

सिंह की यह उदारता बाघ, गीदड़ और कौवे को अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे विवश थे, इसलिए चुप रहे और उपयुक्त अवसर का इंतजार करने लगे।

एक दिन सिंह मदमस्त हाथी से भिड़कर घायल हो गया। उसके लिए चलना फिरना भी मुश्किल हो गया था, फिर वह शिकार कैसे करता। इसलिए भूखों मरने की नौबत आ गई। सिंह ने बातों ही बातों में अपने सेवकों से ऐसे प्राणी की खोज करने के लिए कहा, जिसे आसानी से मारकर अपनी भूख मिटाई जा सके।

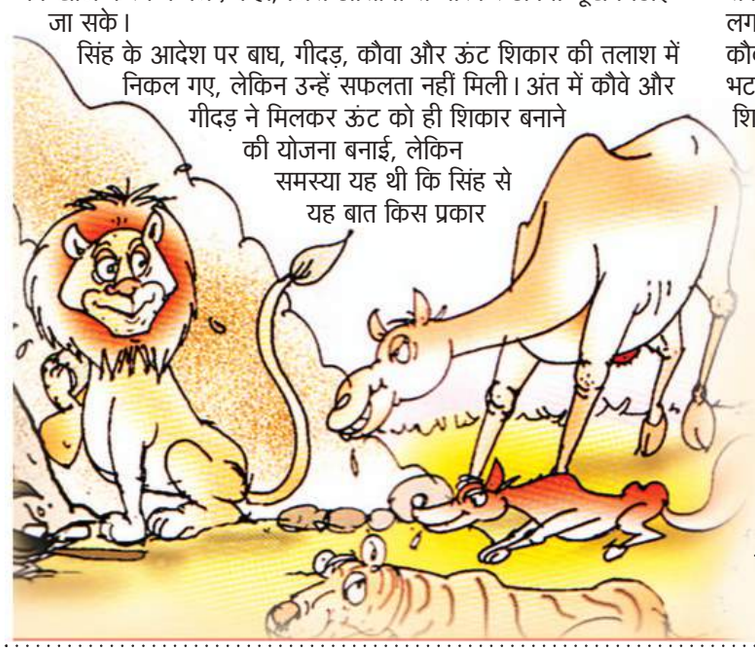

सिंह के आदेश पर बाघ, गीदड़, कौवा और ऊंट शिकार की तलाश में निकल गए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में कौवे और गीदड़ ने मिलकर ऊंट को ही शिकार बनाने की योजना बनाई, लेकिन समस्या यह थी कि सिंह से यह बात किस प्रकार मनवाई जाए। फिर भी दोनों ने सिंह के सामने यह प्रस्ताव रख ही दिया।

प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं।

स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आपको कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, गीदड़ ने विनम्रतापूर्वक कहा।

जो तुम्हारी इच्छा हो वही करो। सिंह ने लाचारी से कहा।

इसके बाद गीदड़, कौवा और बाघ तीनों ऊंट के पास पहुंचे और बोले, मित्र! हमारे स्वामी की तबीयत खराब है। यह तो आप जानते ही हैं कि हम लोग सारा दिन भटकने के बाद भी उनके लिए शिकार नहीं जुटा पाए हैं। भूख के कारण स्वामी के प्राण निकले जा रहे हैं। ऐसे समय में अपने प्राण त्याग कर स्वामी के प्राणों की रक्षा करना सेवक का धर्म है। क्यों न हम लोग इस धर्म का पालन करें।

इस प्रकार ऊंट को झांसा देकर तीनों धूर्त ऊंट को सिंह के पास ले आए और ऊंट के साथ सिंह को प्रणाम करके बैठ गए।

सिंह ने पूछा, या तुम लोग मेरे खाने का कोई इंतजाम कर सके? मुझे बहुत तेज भूख लग रही है।

कौवा बोला, महाराज! दिनभर भटकने के बाद भी हमें कोई शिकार नहीं मिला, इसलिए आप मुझे खाकर ही अपनी भूख मिटा लीजिए। तभी गीदड़ बोला, तुझे खाकर स्वामी की भूख या मिटेगी। फिर सिंह की ओर देखते हुए गीदड़ ने कहा, महाराज! आप मुझे खाकर अपनी भूख मिटा सकते हैं। अब गीदड़ को पीछे धकेलता हुआ बाघ आगे आया और बोला, महराज! मेरी विनती है कि आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत कीजिए। इससे आपका ही नहीं मेरा भी कल्याण होगा।

तीनों की यह स्वामिभक्ति देखकर ऊंट ने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी स्वामिभति का परिचय दूं। फिर वह सिंह से बोला, स्वामी! आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत करें, क्योंकि ये तीनों तो आपके खाने के लायक नहीं है।

ऊंट का यह कहना था कि सिंह की आज्ञा पर गीदड़ और बाघ ने मिलकर उस का पेट फाड़ डाला। फिर चारों ने मिलकर भरपेट भोजन किया।

शिक्षा: धूर्तों के लिए आत्म बलिदान का कोई महत्व नहीं है।

ऊंट को भोजन बनाने का प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आप को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए...

बिंदु मिलाकर चित्र बनाओ

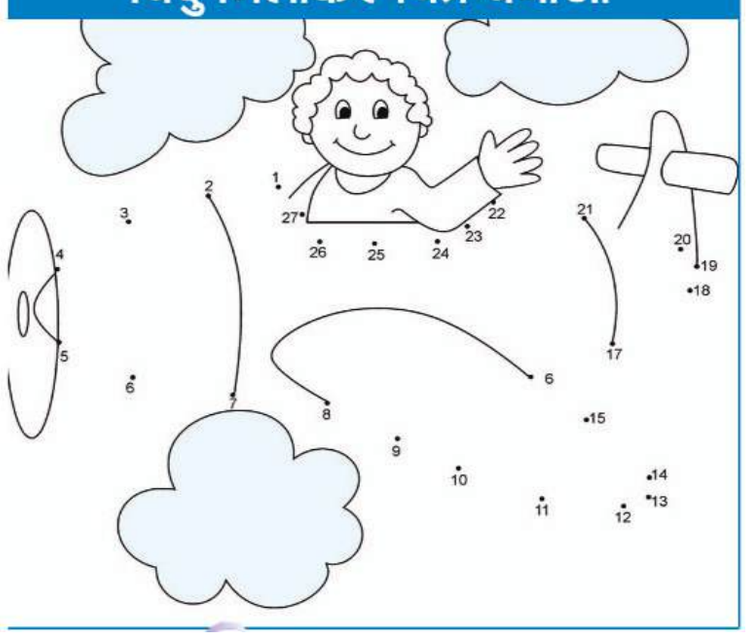

अंतर ढूंढो

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी -रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार की घोषणा सुनी तो अपना भाग्य आजमाने की सोची

कहानी क्रोनोमीटर की

क्रोनोमीटर समुद्र में चलने वाले जहाजों को दिशा के बारे में जानकारी देने वाला एक यंत्र है। समुद्री जहाजों के लिए क्रोनोमीटर बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर समुद्री यात्रा के समय दिशा का ज्ञान न हो तो जहाज भटक सकते हैं। क्रोनोमीटर का आविष्कार हो जाने से अब समुद्री जहाजों के लिए यात्रा में दिशा- भ्रम की समस्या नहीं रहती है।

आज से लगभग तीन सौ साल पहले समुद्री जहाजों के सामने प्रमुख समस्या समुद्र में स्थान जानने की रहा करती थी। तब यात्रा के दौरान दिशा-ज्ञान के अभाव में अधिकतर जहाज रास्ते में ही भटक जाते थे, उनमें से कुछ तो तूफान में फंसकर नष्ट भी हो जाया करते थे। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव ब्रिटिश नौसेना पर पड़ता था, क्योंकि सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी में ब्रिटिश नौसेना विश्व में सबसे बड़ी थी।

ब्रिटिश सरकार ने समुद्री यात्रा में दिशा-भ्रम की समस्या के निदान हेतु कई असफल उपाय किये। अंत में, ब्रिटिश सरकार ने सारे संसार में यह घोषणा की कि जो कोई भी ऐसे यंत्र का आविष्कार करेगा, जिससे जहाजों को समुद्र में दिशा और स्थान का सही-सही ज्ञान हो सके, तो उसे बीस हजार पौंड का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इतनी बड़ी धनराशि के पुरस्कार की घोषणा से न केवल, इंग्लैंड, बल्कि संपूर्ण यूरोप में हलचल सी मच गई, क्योंकि इससे पहले इतनी बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा कभी नहीं हुई थी।

बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि सुनकर इसकी प्राप्ति हेतु अनेक व्यक्तियों ने समुद्र में जहाजों को दिशा और स्थान का ज्ञान कराने वाले यंत्र के निर्माण का भरसक प्रयास किया, किन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में, उत्तरी इंग्लैंड के निवासी जॉन हैरिसन को इसमें सफलता मिली और उसने एक ऐसे यंत्र का आविष्कार किया, जिससे समुद्री यात्रा के समय जहाज चालकों को दिशा का सही ज्ञान हो सके। जॉन हैरिसन द्वारा बनाये गये इस यंत्र को ही 'क्रोनोमीटर' कहा जाता है । क्रोनोमीटर के जन्म की कहानी भी अत्यंत रोचक है।

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी-रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार दिये जाने की घोषणा सुनी तो उसने अपना भाग्य आजमाने की सोची। उसे पता था कि भूगोलवेत्ताओं ने पृथ्वी पर कुछ काल्पनिक रेखाएं मान रखी हैं। इन रेखाओं में जो पृथ्वी के चारों ओर छल्ले की तरह जाती हैं, उन्हें 'अक्षांश' कहते हैं तथा जो उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तकखिंची मानी गई हैं, उन्हें देशांतर कहते हैं। इन दोनों प्रकार की रेखाओं द्वारा नाविकों को समुद्री यात्रा में अपनी स्थिति का सही-सही ज्ञान हो सकता था, बशत्रे कि उन्हें बंदरगाह से चलने के बाद से लगातार ठीक-ठीक समय मालूम हो। हालांकि घड़ियों से भी सही समय को जाना जा सकता था और उस समय घड़ियों का आविष्कार भी हो चुका था। परंतु घड़ियां समुद्री यात्रा के समय काम नहीं करती थीं, क्योंकि किसी घड़ी पर तापमान का असर होता था, तो किसी पर आर्द्रता का। समुद्री हवाओं के कारण घड़ियों के कलपुज्रे भी गल जाते थे।

जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बनाने की ओर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित किया जिस पर न तो तापमान का असर हो, न समुद्र की नमकीन और नम हवा की आर्द्रता का। हालांकि आरंभ में उसे अपने कई प्रयासों में असफल भी होना पड़ा। परन्तु उसने हिम्मत न हारी। वह लगातार प्रयास करता रहा। अंत में उसने एक ऐसा पेंडुलम बनाया, जिसकी सहायता से घड़ियों के गर्मियों में तेज चलने के दोष को ठीक किया जा सकता था। इस प्रकार का पेंडुलम बनाने के बाद उसने ऐसी घड़ी भी बनाई, परंतु उस घड़ी में वह गुणवत्ता नहीं आई, जिसके लिए वह प्रयत्नशील था। तब भी उसने हिम्मत नहीं हारी और इस दिशा में और सुधार करने के अपने प्रयास को जारी रखा।

अंततः जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बना ही ली, जो पूर्ण रूप से समुद्री यात्रा के लिए उपयुक्त थी। तापमान, आर्द्रता एवं समुद्री हवाओं का इस घड़ी पर कोई असर नहीं होता था। इस घड़ी से नाविक बंदरगाह से चलते समय हिसाब से अक्षांश और देशांतर रेखाओं की गणना कर समुद्र में अपनी स्थिति का पता लगा लेते थे। जॉन हैरिसन द्वारा आविष्कृत रोचक इस घड़ी को ब्रिटिश सरकार ने भी स्वीकार कर लिया, जिससे वह ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि पाने का हकदार हो गया।

नामीबिया

बेहद निष्ठुर लेकिन वन्य जीव से समृद्ध

पिछले 15 वर्षो से चीता मैन के नाम से चर्चित ओलिवर हॉलेट अफ्रीका में सबसे बड़ी बिल्ली के साथ नामीबिया में रह रहे हैं। आजकल ओलिवर, पूर्ण स्वच्छंदता के साथ वास करने वाले अंतिम बचे जानवरों की तलाश कर रहे हैं

नामिब मरुस्थल में उन्मुक्त जंगली जानवरों और पौधों की ढेर सारी असमान्य प्रजातियां पायी जाती हैं। हालांकि यह मरुस्थल में व्यापक तौर पर निर्जन है, लेकिन जानवरों ने क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु के अनुकूल खुद को ढाल लिया है।

नामिब मरुस्थल एक तटीय रेगिस्तान है, जो संभवतः दुनिया का सबसे पुराना मरुस्थल है। मरुभूमि की रेत ने यहां समुद्र तटों के किनारे कई बड़े बालू के टीलों का निर्माण किया है। यह उन कुछ गिने-चुने मरुस्थलों में से एक है, जो बड़े जानवरों की कई प्रजातियों का परिवास है -

यहां तक कि हाथी भी यहां वास करते हैं। करीब 130 मिलियन साल पुराना नामिब दुनिया का जाना-माना और सबसे प्राचीन मरुस्थल होने के साथ ही साथ यह सबसे खूबसूरत मरुस्थलों में से एक है। इस मरुस्थल की लंबाई 1200 मील है लेकिन चौड़ाई में यह औसतन महज 70 मील तक ही फैला है। यहां दुनिया के सबसे ऊंचे रेत के टीले पाए जाते हैं। यह नारंगी रंगों की रेत की अनंत और अलग परिदृश्य वाली एक पट्टी की तरह नजर आता है और इसके दूर तक फैले खुले तटों के किनारे चमकीले सफेद नमक की परत से लेकर जहाजों के भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। नामिब-नाउक्लुफ्ट नेशनल पार्क नामिब मरुस्थल के काफी बड़े हिस्से में फैला हुआ है। यह अफ्रीका का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े गेम रिजर्व में से एक है, जो मरुस्थलीय शेरों और विलुप्तप्राय नामिब हाथियों को प्राकृतिक परिवास भी है।

विशेषतौर पर अपने शुष्क वातावरण के अनुकूलित, ये विशालकाय जानवर पानी के लिए खुदाई कर सकते हैं और अपने घुटनों के बल रेत के टीलों पर भी चढ़ सकते हैं। वन्यजीवों के साथ ही इस मरुस्थल में आदिम जनजातियां, जैसे- हिंबा भी गर्व से रहते हैं। इनके लिए अपना पहनावा, केश-सज्जा (हेयरस्टाइल) और आभूषण का विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व होता है। हिंबा महिलाएं रोज सुबह घंटों सजने-संवरने में व्यतीत करती हैं। माना जाता है कि ये जनजातियां बदलाव का विरोध करती हैं और आधुनिक रहन-सहन के दौर में भी अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रख रही हैं।

हाथियों ने इस क्षेत्र की विपरीत परिस्थितियों के अनुकूल खुद को बेहतर तरीके से ढाल लिया है। पानी वाली जगह से भोजन की तलाश में यह 70 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकते हैं और कई किलोमीटर दूर से ही पानी की मौजूदगी को सूंघने में सक्षम हैं जबकि चार दिनों तक बिना पानी पिए वे रह सकते हैं। यह देश दक्षिणी अफ्रीकी चीता का सबसे आबादी वाला इलाका है और नेशनल पाकरे में वह शामिल नहीं है। यहां हिरण की 12 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें सबसे बड़े इलैंड (दक्षिणी अफ्रीका का सबसे बड़ा मृग) से लेकर सबसे छोटा डमाराडिक-डिक शामिल हैं। नामीबिया में बहुतायत में छोटे स्तनधारी भी रहते हैं, जिनमें नेवले, सियार के साथ बहुत कम पाए जाने वाले चींटीखोर भालू (आंट-बीयर), बिज्जू भी पाए जाते हैं, जो एकांत और उभरचर दोनों हैं। वन्यजीव रोमांचकारी यात्री ओलिवर हॉलेट के साथ नामिबिया में उन्मुक्त जानवरों की तलाश में शामिल हों।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

लेबर डिपार्टमेंट जम्मू-कश्मीर ने जम्मू में लेबर डे पर जागरूकता, जनसंपर्क और श्रमिक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए

जम्मू, 01 मई। लेबर डे के अवसर पर लेबर डिपार्टमेंट जम्मू-कश्मीर ने जम्मू में कई प्रभावशाली कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें श्रमिकों के कल्याण, सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया गया। इस वर्ष का आयोजन स्वस्थ मनो-सामाजिक कार्य वातावरण सुनिश्चित करना थीम के तहत किया गया, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षित और सहयोगात्मक कार्यस्थलों के महत्व तथा श्रमिकों की समग्र सेहत और उत्पादकता से जुड़ी नई चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। लेबर कमिश्नर जे×के चरनदीप सिंह ने गंग्याल स्थित लेबर चौक पर श्रमिकों से मुलाकात की और उनके साथ संवाद किया। उन्होंने विभिन्न श्रम कल्याण योजनाओं की जानकारी दी, जो उनके सामाजिक-आर्थिक हालात को बेहतर बनाने के लिए चलाई जा रही हैं। इस दौरान श्रमिकों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया, अल्पाहार वितरित किया गया और जल्द ही एक विशेष आउटरीच कैंप आयोजित करने का आश्वासन दिया गया कार्यक्रम के तहत स्वस्थ मनो-सामाजिक कार्य वातावरण सुनिश्चित करना विषय पर एक वेबिनार भी आयोजित किया गया, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश भर से अधिकारी, विशेषज्ञ और अन्य हितधारक शामिल हुए। सत्र की शुरुआत उप श्रम आयुक्त जम्मू सुखपाल सिंह के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद लेबर कमिश्नर ने अपने विचार रखे। वेबिनार में प्रोफेसर रेनू नंदा, प्रोफेसर हेमा गांदोतरा, निमिषा राजपूत और डॉ. ऋतिका जैसे विशेषज्ञों ने बाल श्रम रोकथाम, लैंगिक वेतन असमानता और महिला कर्मचारियों की कार्य स्थितियों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार साझा किए। सत्र का समापन लेबर कमिश्नर के संबोधन के साथ हुआ, जबकि धन्यवाद प्रस्ताव एएलसी सेंट्रल रूपाली गांदोतरा ने प्रस्तुत किया।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने सेम्पोरा, पाम्पोर में सरकारी कर्मचारियों के लिए 368 आवासीय इकाइयों का उद्घाटन किया

पाम्पोर, 1 मई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज पाम्पोर के सेम्पोरा क्षेत्र में सरकारी कर्मचारियों के लिए 368 नव-निर्मित आवासीय क्वार्टरों का उद्घाटन किया। यह परियोजना 23 ब्लॉकों में विकसित की गई है, जिसकी कुल लागत लगभग 90.65 करोड़ है। एस्टेट्स विभाग द्वारा निर्मित यह परियोजना कश्मीर घाटी में सरकारी आवास सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सरकार के उस प्रयास का हिस्सा है, जिसके तहत कर्मचारियों को आधुनिक और सुविधायुक्त आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, विधायक पाम्पोर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) हसनैन मसूदी, अतिरिक्त मुख्य सचिव एस्टेट्स शालीन काबरा, उपायुक्त पुलवामा डॉ. बशारत कयूम, निदेशक एस्टेट्स अश्विनी खजूरिया सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने एस्टेट्स क्वार्टरों का उद्घाटन करने के बाद 2 बीएचके और 3 बीएचके फ्लैट्स का निरीक्षण किया। उन्होंने कैंटीन और मेस सुविधाओं का भी दौरा किया तथा एस्टेट्स विभाग के अधिकारियों से आगामी और प्रस्तावित आवास परियोजनाओं की जानकारी ली। इस परियोजना के पूर्ण होने से सरकारी कर्मचारियों के लिए आवास की उपलब्धता में काफी सुधार होगा और लंबे समय से चली आ रही कमी को दूर करने में मदद मिलेगी। दरबार मूव की पुनर्बहाली के मद्देनज़र इस परियोजना का महत्व और बढ़ जाता है, क्योंकि जम्मू और श्रीनगर के बीच स्थानांतरित होने वाले कर्मचारियों के लिए आवास की आवश्यकता फिर से बढ़ गई है। ये आवासीय क्वार्टर विशेष रूप से दरबार मूव कर्मचारियों के लिए लाभकारी होंगे, जिन्हें पहले अपने परिवारों के लिए उपयुक्त आवास खोजने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इन इकाइयों की उपलब्धता से निजी आवास पर निर्भरता कम होगी और कार्य परिस्थितियों में सुधार आएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार कर्मचारियों को उपयुक्त पारिवारिक आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी कल्याण सरकार की प्राथमिकता है और इस दिशा में चरणबद्ध तरीके से और भी परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि आवासीय सुविधाएं कर्मचारियों की उत्पादकता और मनोबल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सरकार भविष्य में भी ऐसे बुनियादी ढांचे में निवेश जारी रखेगी जो सीधे तौर पर उनके कल्याण से जुड़ा हो।

वेद ही सच्चे और शाश्वत ज्ञान का एकमात्र स्रोत

कठुआ, 01 मई (हि.स.)। योल स्थित वेद मंदिर में चल रहे 78 दिवसीय यज्ञ के दौरान योगाचार्य स्वामी राम स्वरूप जी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि चारों वेद ही मानवता के लिए सच्चे और शाश्वत ज्ञान का एकमात्र प्रमाणिक स्रोत हैं। यह यज्ञ चारों वेदों के अध्ययन और प्रसार को समर्पित है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु और साधक भाग ले रहे हैं।

स्वामी जी ने ऋग्वेद (1/105) के मंत्र 14 और 15 की व्याख्या करते हुए कहा कि मनुष्य को ऐसे विद्वानों का मार्गदर्शन लेना चाहिए जो न केवल वेदों के ज्ञाता हों, बल्कि अपने आचरण में भी वैदिक ज्ञान को अपनाते हों। उन्होंने कहा कि सच्चे ज्ञानी व्यक्ति इंद्रियों पर नियंत्रण रखते हैं और कठिन वैदिक तपस्या के माध्यम से स्वयं को अनुशासित करते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे योग साधक समाज के लिए प्रकाश स्तंभ की तरह होते हैं, जो लोगों को सच्चे ज्ञान, अनुशासित जीवन और पापों से मुक्ति का मार्ग दिखाते हैं। स्वामी जी ने कहा कि दुर्भाग्यशाली लोग ही ऐसे विद्वानों की उपेक्षा करते हैं और वैदिक मार्ग का विरोध करते हैं।

प्रवचन के दौरान स्वामी जी ने यह भी स्पष्ट किया कि ईश्वर की कृपा बिना कारण नहीं मिलती। यह तब प्राप्त होती है जब व्यक्ति अपने पूर्व जन्मों के पुण्य कर्मों के साथ-साथ वर्तमान जीवन में भी वैदिक सिद्धांतों के अनुसार अच्छे कर्म करता है। ऐसे कर्मों के फलस्वरूप व्यक्ति का मन शुद्ध होता है और वह परमात्मा की प्राप्ति की ओर अग्रसर होता है। ऋग्वेद के मंत्र 16 का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वैदिक मार्ग ईश्वर से उत्पन्न, अनादि, अनंत और अविनाशी है। यह मार्ग कभी नहीं बदलता और मानवता को सच्चे ज्ञान व स्थायी शांति की ओर ले जाता है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे इस शाश्वत मार्ग को श्रद्धा और समर्पण के साथ अपनाएं। यह प्रवचन चल रहे यज्ञ का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा, जो लोगों को वैदिक दर्शन की गहराई समझने और उसे जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से सत्य, अनुशासन और आध्यात्मिक जागृति पर आधारित जीवन शैली का संदेश दिया जा रहा है।

एनडीपीएस अधिनियम के तहत पांच मादक पदार्थों के तस्कर गिरफ्तार

अनंतनाग, 01 मई (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर में नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी पर कार्रवाई तेज होने के साथ ही अनंतनाग पुलिस ने शुक्रवार को जिले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत पांच मादक पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपने निरंतर अभियान को जारी रखते हुए अनंतनाग पुलिस ने जिले भर में कई सफलताएं हासिल की हैं जिसके परिणामस्वरूप 4 एनडीपीएस मामले दर्ज किए गए हैं और 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बयान में कहा गया है कि कोकरनाग पुलिस स्टेशन की एक नाका पार्टी ने सागम, कोकरनाग में एक संदिग्ध मारुति सुजुकी फ्रोंक्स (जेके03क्यू-4233) को रोका जिसने भागने का प्रयास किया लेकिन चतुराई से उसे रोक लिया गया। वाहन में सवार दो व्यक्तियों जिनकी पहचान अनंतनाग निवासी आकिब निसार रंगराज और किश्तवाड निवासी उमर यूसुफ महरू के रूप में हुई है को गिरफ्तार कर लिया गया और उनके पास से 13.36 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया।

तदनुसार एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 39/2026 दर्ज की गई।

6 साल की कमी खत्म-जल शक्ति विभाग में 269 जूनियर इंजीनियरों की नियुक्ति, कामकाज को मिलेगी रफ्तार

जम्मू, 01 मई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने जल शक्ति विभाग को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 269 जूनियर इंजीनियरों की नियुक्ति की है। लंबे समय से चली आ रही स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए यह फैसला अहम माना जा रहा है, जिससे विभाग की कार्यक्षमता और फील्ड स्तर पर काम में तेजी आने की उम्मीद है।

पिछले 5-6 वर्षों से विभाग में भर्ती और पदोन्नति प्रक्रियाएं ठप पड़ी थीं, वहीं कई वरिष्ठ अधिकारीकृमुख्य अभियंता और सुपरिंटेंडिंग इंजीनियरकृसेवानिवृत्त हो चुके थे। इससे विभाग के कामकाज और योजनाओं के क्रियान्वयन पर असर पड़ रहा था। नई नियुक्तियां जम्मू-कश्मीर आरक्षण नियमों के तहत विभिन्न श्रेणियों में की गई हैं। इनमें 138 पद ओपन मेरिट (ईडब्ल्यूएस सहित), 25 आरबीए, 29 एसटी-1, 22 एसटी-2, 21 एससी, 22 ओबीसी और 12 एएलसी श्रेणी में भरे गए हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार ने विभागों में स्टाफ की कमी को प्राथमिकता के तौर पर चिन्हित किया।

जल शक्ति विभाग में हालात को देखते हुए प्रभारी मंत्री जावेद अहमद राणा ने भर्ती प्रक्रिया को तेज करने के लिए ठोस कदम उठाए। मंत्री राणा ने प्रशासनिक आवश्यकताओं को देखते हुए कुछ प्रक्रियात्मक नियमों में ढील देने का प्रस्ताव रखा, जिसे मंत्रिपरिषद ने मंजूरी दे दी। इसके बाद अतिरिक्त मुख्य सचिव शालीन काबरा को भर्ती और पदोन्नति प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। सरकार के इन प्रयासों के चलते 269 पदों पर रिकॉर्ड समय में नियुक्तियां पूरी की गईं। भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के अनुसार संपन्न कराई गई है। सरकार का मानना है कि इन नियुक्तियों से जल आपूर्ति योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी में सुधार होगा, जिससे आम जनता को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी।

रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में एक हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

श्रीनगर, 01 मई (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को श्रीनगर में रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में एक हेड कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान परवेज़ अहमद के रूप में हुई है। एसीबी ने एक स्थानीय निवासी की शिकायत के बाद जाल बिछाकर उसे पकड़ा। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि पुलिसकर्मी एक सरकारी मामले के संबंध में अवैध रिश्वत मांग रहा था। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए एसीबी टीम ने बटमालू इलाके में जाल बिछाया और आरोपी को 5,000 रुपये नकद और 35,000 रुपये का चेक लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि रिश्वत की रकम मौके पर ही स्वतंत्र गवाह की मौजूदगी में बरामद कर ली गई।

अगले कई दिनों तक जम्मू-कश्मीर में अस्थिर मौसम की संभावना

श्रीनगर, 01 मई (हि.स.)। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले कई दिनों तक जम्मू और कश्मीर में आम तौर पर अस्थिर मौसम की संभावना जताई है, जिसमें कई स्थानों पर बारिश, गरज और तेज हवाएं चलने की संभावना है। पूर्वानुमान के अनुसार 1 मई को मौसम अधिकतर शुष्क रहेगा, हालांकि दोपहर के समय कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। 2 मई को छिटपुट क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सं: 13 & 14-2026-27-ADEN-1-FZR दिनांक: 30.04.2026

मण्डल अभियंता – मुख्यालय, फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई–निविदाएं, अंतिम तिथि **21.05.2026** समय **15:00 बजे** तक **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते हैं। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं है।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुला	कार्य	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	**बोली शुरू की तिथि**	**निविदा समापन की तिथि तथा समय**
28.04.2026	07.05.2026	21.05.2026 15:00 बजे

क्र. सं.	निविदा संख्या, तारीख	निविदा का विवरण			
1.	13-2026-27-ADEN-1-FZR	सहायक मंडल अभियंता–प्रथम/फिरोज़पुर के अंतर्गत, लुधियाना–बद्दोवाल–मुल्लांपुर खंड पर अतिक्रमण रोकने के उपाय के तौर पर, प्रमुख शहरों और पहुँच मार्गों के निकट चारदीवारी का निर्माण।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	**बयाना राशि (रु.)**	**ऑफर की वैधता**	**समापन की अवधि**	
	8,94,89,173.84	17,89,800.00	60 दिन	12 महीने	
	सामान प्रकृति का कार्य:- "प्रीकास्ट या कास्ट–इन–सीटू RCC/PSC कार्य अथवा RCC बाउंड्री वॉल का निर्माण।"				
2.	14-2026-27-ADEN-1-FZR	फिरोजपुर में डिविज़नल रेलवे मैनेजर कार्यालय के सामने की सड़क, कॉलोनी नंबर 04 (लोको रोड से बस्ती टंकावाली तक), और बर्ट रोड में सुधार कार्य; यह कार्य सीनियर सेक्शन इंजीनियर (वर्क्स) फिरोजपुर के अधिकार क्षेत्र में, सहायक मंडल अभियंता–प्रथम/फिरोजपुर के अधीन किया जाएगा।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	**बयाना राशि (रु.)**	**ऑफर की वैधता**	**समापन की अवधि**	
	3,70,29,221.58	7,40,600.00	60 दिन	06 महीने	
	सामान प्रकृति का कार्य:- "ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।"				

नोट:- 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जाँच करेंगे। 2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करें, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होंगे। 1462/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

☞ यात्रीगण कृपया ध्यान दें ☜

महत्वपूर्ण सूचना

सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि गाड़ी संख्या **26401/26402** श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – श्रीनगर – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस तथा गाड़ी संख्या **26404/26403** श्रीनगर–श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा–श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस का विस्तार दिनांक **02.05.2026** से जम्मू तवी तक किया जाएगा, जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

26401/26402 जम्मू तवी – श्रीनगर – जम्मू तवी वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी प्रतिदिन (मंगलवार को छोड़कर)

गाड़ी सं. 26401		स्टेशन	गाड़ी सं. 26402	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	06:20	जम्मू तवी	18:50	---
07:37	07:39	शहीद कप्तान तुषार महाजन	17:25	17:27
08:05	08:10	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	16:55	17:00
08:28	08:30	रियासी	16:34	16:36
09:56	09:58	बनिहाल	14:58	15:00
11:10	---	श्रीनगर	---	14:00

चलने के दिन : **26401** जम्मू तवी से तथा **26402** श्रीनगर से दिनांक **02.05.2026** से

स्थान : एग्जीक्यूटिव कार एवं वाता. कुर्सीयान

26404/26403 श्रीनगर – जम्मू तवी – श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी प्रतिदिन (बुधवार को छोड़कर)

गाड़ी सं. 26404		स्टेशन	गाड़ी सं. 26403	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	08:00	श्रीनगर	18:05	---
09:00	09:02	बनिहाल	16:40	16:42
11:05	11:10	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	14:50	14:55
11:35	11:37	शहीद कप्तान तुषार महाजन	14:16	14:18
12:45	---	जम्मू तवी	---	13:20

चलने के दिन : **26404** श्रीनगर से तथा **26403** जम्मू तवी से दिनांक **02.05.2026** से

स्थान : एग्जीक्यूटिव कार एवं वाता. कुर्सीयान

नोट: – उपरोक्त समय–सारणी के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित रेलगाड़ियों के समय में नीचे दिये गये विवरण के अनुसार संशोधन किया जाएगा:–

रेलगाड़ी सं. 12549 दुर्ग जं. – शहीद कप्तान तुषार महाजन सुपरफास्ट एक्सप्रेस: 02.06.2026 से प्रभावी
रेलगाड़ी सं. 20847 दुर्ग जं. – शहीद कप्तान तुषार महाजन सुपरफास्ट एक्सप्रेस: 03.06.2026 से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		परिवर्तित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
जम्मू तवी	17:43	17:50	**17:43**	**17:50**
बजालता	---	---	**18:10**	**18:35**
संगर	18:22	18:44	**19:05**	**19:20**
शहीद कप्तान तुषार महाजन	19:40	---	**20:05**	---

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिये रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा भारतीय रेल की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

1466/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बिलावर में पुलिस की कथित ज्यादती पर भड़का जनाक्रोश, नाज ब्रिज पर 2 घंटे तक सड़क जाम

कठुआ, 01 मई (हि.स.)। कठुआ जिले के बिलावर स्थित नाज ब्रिज पर शुक्रवार को स्थानीय लोगों ने पुलिस के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया, जिससे करीब दो घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस कर्मियों ने एक ई-रिक्शा चालक के साथ मारपीट की, जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

बताया जा रहा है कि घायल युवक की टांग में फ्रैक्चर आया है, जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना से नाराज लोगों ने सड़क पर उतरकर नारेबाजी की और मार्ग को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने हालात को संभालते हुए प्रदर्शनकारियों को शांत कराया।

अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

श्री अनीष गौरहा ने एनएचपीसी जम्मू के क्षेत्रीय प्रमुख का कार्यभार संभाला

जम्मू, 01 मई । श्री अनीष गौरहा, कार्यपालक निदेशक ने आधिकारिक तौर पर एनएचपीसी लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू के क्षेत्रीय प्रमुख का कार्यभार दिनांक 01.05.2026 को ग्रहण कर लिया है। इस महत्वपूर्ण भूमिका में, श्री गौरहा जम्मू व कश्मीर तथा लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों में एनएचपीसी के पावर स्टेशनों और परियोजनाओं के विशाल पोर्टफोलियो की देख-रेख करेंगे।

एक कुशल नेतृत्व कर्ता श्री अनीष गौरहा, जिनके पास 29 वर्षों का वृहद कार्यकारी अनुभव हैं, अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और रणनीतिक दूरदर्शिता के लिए व्यापक रूप से जाने जाते हैं। छत्तीसगढ़ के त्रिश्वष्ट बिलासपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक होने के साथ-साथ, उन्होंने मानव संसाधन (Human Resources) में MBA भी किया है, जो उनकी तकनीकी प्रतिभा को सशक्त संगठनात्मक प्रबंधन के साथ जोड़ता है। श्री गौरहा ने 1997 में सलाल पावर स्टेशन से एनएचपीसी के साथ अपनी यात्रा शुरू की और लगभग तीन दशकों के दौरान, उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण

परियोजनाओं में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें तत्तापानी जियोथर्मल प्रोजेक्ट और निगम मुख्यालय में डिज़ाइन (E&M) डिवीज़न शामिल हैं। यहाँ उन्होंने सुबनसिरी लोअर, TLDP-III और TLDP-IV परियोजनाओं के लिए E&M पैकेजों की विस्तृत इंजीनियरिंग का नेतृत्व किया। उनके व्यापक क्षेत्रीय अनुभव में ri-II में महत्वपूर्ण कार्य और अपनी वर्तमान नियुक्ति से ठीक पहले सलाल पावर स्टेशन में पावर स्टेशन प्रमुख के रूप में सेवा देना शामिल है अपने पूरे करियर के दौरान, श्री गौरहा ने एनएचपीसी के विभिन्न कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें फरीदाबाद निगम मुख्यालय, उड़ी-II, तत्तापानी जियोथर्मल और सलाल पावर स्टेशन में उनकी सेवाएँ शामिल हैं।

कठुआ में नशा मुक्ति अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई, अवैध दवाइयां बेचने वाली मेडिकल शॉप सील

कठुआ, 01 मई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में चल रहे 100 दिवसीय नशा मुक्ति अभियान के तहत कठुआ प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चकदेसा सिंह क्षेत्र में एक मेडिकल स्टोर को सील कर दिया। यह कार्रवाई शुक्रवार को तहसीलदार कठुआ विक्रम शर्मा की अगुवाई में की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कठुआ शहर के समीप चकदेसा सिंह क्षेत्र में संचालित समृद्धि मेडिकोज नामक दुकान पर अवैध रूप से ऐसी दवाइयों की बिक्री की जा रही थी, जो बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बेचना प्रतिबंधित है।

दुकान के खिलाफ लगातार शिकायतें मिलने के बाद प्रशासन ने एक विशेष टीम गठित कर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान टीम के पहुंचने से पहले ही दुकानदार मौके से कुछ दवाइयां लेकर फरार हो गया और दुकान

खुली छोड़ दी। जांच के दौरान दुकान में आवश्यक रिकॉर्ड, कंप्यूटर सिस्टम और सीसीटीवी कैमरे भी नहीं पाए गए। टीम ने मौके से संदिग्ध कैप्सूल बरामद कर उन्हें जब्त कर लिया।

तहसीलदार विक्रम शर्मा ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने और अवैध दवाइयों की बिक्री के चलते दुकान को सील किया गया है। उन्होंने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि नशा मुक्त समाज के निर्माण में केवल प्रशासन और पुलिस की भूमिका पर्याप्त नहीं है, बल्कि जन सहयोग भी बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि यदि उनके आसपास कहीं भी नशे से जुड़ी गतिविधियां या अवैध दवाइयों की बिक्री हो रही हो, तो इसकी सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने को दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि ऐसे अभियानों को आगे भी सख्ती से जारी रखा जाएगा, ताकि आने वाले समय में जम्मू-कश्मीर को नशा मुक्त बनाया जा सके।

संपादकीय

रेलवे कश्मीर की दूरी को पाटते हुए

यह समझना जरूरी है कि रेलवे में नई सेवाएं जोड़ना एक जटिल प्रक्रिया होती है। किसी योजना की घोषणा करना और उसे तुरंत पटरियों पर उतार देना आसान नहीं होता। जम्मू तवी रेलवे स्टेशन से आगे ट्रेन सेवा का विस्तार इसी बात का उदाहरण है, जो धीरे-धीरे और चरणबद्ध तरीके से संभव हुआ।

इस दिशा में विभिन्न सरकारों और वर्तमान सरकार की भूमिका सराहनीय रही है, जिन्होंने कश्मीर घाटी तक रेल पहुंचाने का सपना साकार किया। जो कभी लगभग असंभव माना जाता था, वह आज हकीकत बन चुका है। जम्मू और श्रीनगर के बीच बहुप्रतीक्षित सीधी वंदे भारत ट्रेन के उद्घाटन से देशभर के रेल प्रेमियों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

रेलवे की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद अब यह आवश्यक हो जाता है कि दुनिया के सबसे बड़े परिवहन नेटवर्क में से एक भारतीय रेलवे देश की राजधानी नई दिल्ली और जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित करने की दिशा में काम करे।

वर्तमान में दिल्ली और श्रीनगर के बीच यात्रा करने वाले लोगों को बस, हवाई यात्रा या कटरा और अब जम्मू में रुककर ट्रेन बदलने पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में कश्मीर के लोगों को सीधे नई दिल्ली से रेल संपर्क मिलना बेहद जरूरी है।

देशभर में ट्रेनें सबसे भरोसेमंद, सस्ती और आरामदायक परिवहन का साधन मानी जाती हैं। इसलिए कश्मीर के लोगों को भी इस सुविधा का पूरा लाभ मिलना चाहिए।

रेल मंत्रालय जम्मू-कश्मीर में रेलवे नेटवर्क के विस्तार के लिए लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है, जिससे कश्मीर के साथ-साथ अब पुंछ क्षेत्र को भी जोड़ने का काम शुरू हो चुका है। इसी कड़ी में दिल्ली से सीधे श्रीनगर और आगे के स्टेशनों तक रेल संपर्क स्थापित करना लोगों, खासकर पर्यटकों और व्यापारियों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है।

देश के विभिन्न हिस्सों से नई दिल्ली तक चलने वाली कई ट्रेनें, जिन्हें राजधानी एक्सप्रेस कहा जाता है, पहले से ही संचालित हो रही हैं। कश्मीर के लोगों के लिए यह एक सपना पूरा होने जैसा होगा, यदि श्रीनगर और नई दिल्ली के बीच भी इसी तरह की सेवा शुरू की जाए।

इसके अलावा, वंदे भारत ट्रेन को जम्मू से नई दिल्ली तक विस्तारित करना भी एक बड़ा बदलाव साबित हो सकता है और यह सेवा देश की सबसे लोकप्रिय ट्रेन सेवाओं में शामिल हो सकती है।

भारतीय रेलवे को इस दिशा में गंभीरता से काम करना चाहिए, क्योंकि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में कुछ भी असंभव नहीं है।

पर्यावरण संकट की चुनौती

पिछली डेढ़ शताब्दी से, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक-निर्माण - शक्ति मानव के हाथ में दे दी, तब से विकास की परिभाषा भी धीरे-धीरे बदल गई

इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल गंभीर प्रयास करने की जरूरत है, किन्तु जलवायु नियंत्रण समझौतों के विषय में बहुत से देश विमुखता दिखा रहे हैं। जो मान भी रहे हैं, वे भी %हरित प्रभाव गैसों% के उत्सर्जन में कटौती के लिए स्व-घोषित लक्ष्य ही मानने तक सीमित रहना चाहते हैं। इस स्थिति से बाहर निकल कर कुछ आवश्यक कदम उठाने होंगे।

पिछली डेढ़ शताब्दी से, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक- निर्माण - शक्ति मानव के हाथ में दे दी, तब से विकास की परिभाषा भी धीरे-धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का एक अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे, इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरुआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किये गए और उनके संसाधनों को बेदर्दी से नष्ट किया गया।सभ्य कहलाने वाले देशों द्वारा कमजोर देशों के मूल निवासियों को किस तरह प्रताड़ित किया, उनकी सभ्यताओं को असभ्य घोषित करके नष्ट करने का कार्य किया, वह अपने आप में घिनौना इतिहास है। इसके अवशेष अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों में देखे जा सकते हैं, किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढ़ती प्रतीत हो रही है। इस सभ्यता ने अपने ही मूल पर आघात करना शुरू कर दिया है। हालांकि वैज्ञानिक समझ के विकास के चलते सब गलत दिशा को समझ भी रहे हैं, किन्तु विज्ञान का दुरूपयोग प्रकृति विनाशक शक्ति के रूप में किया जा रहा है।दुनिया के सबसे विद्वान वैज्ञानिकों को युद्ध-विज्ञान के विकास में संलग्न कर दिया गया है। निर्णय लेने वाले लोग तो आदिम क्रूर मानसिकता के ही वाहक बने हुए हैं जिनके हाथ में मशीन और विज्ञान, प्रकृति एवं प्राणी समाज के साथ मनमानी करने का हथियार बन गया है। ज्ञान, सुख और शांति का वाहक बनने के बजाय युद्ध और क्रूरता का वाहक बन गया है। इस स्थिति में %संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम% के सातवें अधिवेशन में नैरोबी में प्रस्तुत की गई %ग्लोबल आउटलुक 2025% रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को उजागर करती है और अपने तौर-तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार करके संशोधित करने की दिशा दिखलाती है।जलवायु परिवर्तन प्रकृति के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में एक बड़े खतरे की चुनौती पेश कर रहा है। मशीनीकरण को चलाए रखने के लिए जिस ऊर्जा की बड़े पैमाने पर जरूरत है वह जीवाश्म ईंधन से पैदा की जा रही है। इस उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धुआं और जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं जो %हरित प्रभाव% पैदा करके वायुमंडल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि कर रही हैं। तापमान वृद्धि से पूरे जलवायु का संतुलन हिल गया है। कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं अनावृष्टि हो रही है। ग्लेशियर पिघल कर समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं जो आसन्न जल-संकट का कारण बनेंगे।रिपोर्ट के अनुसार %हरित प्रभाव गैसों% के उत्सर्जन से 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक का तापमान 2024 में बढ़कर 1.55 डिग्री सेंटीग्रेड हो गया है। इस गति से वृद्धि होने पर जलवायु पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है जो आगे बढ़ता ही जाएगा। यदि तापमान वृद्धि को रोका नहीं गया तो इसके कारण जैव-विविधता पर भी बुरा असर पड़ने वाला है, जिससे 10 लाख प्रजातियों के लुप्त हो जाने का खतरा पैदा हो गया है। 20 से 40 प्रतिशत भूभाग वैश्विक स्तर पर अनुपजाऊ होने के कगार पर है जिससे 300 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। जलवायु से जुड़ी भीषण घटनाओं के कारण जन-धन की भारी हानि हो रही है।आर्थिक रूप में वार्षिक 14,300 करोड़ डॉलर की हानि पिछले दो दशकों से हो रही है। वायु प्रदूषण के कारण 2019 में स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक नुकसान 8.1 ट्रिलियन डॉलर आंका गया था, जो वैश्विक अर्थ-व्यवस्था का 6.1 प्रतिशत है। 90 लाख मौतें प्रदूषण संबंधी कारणों से हुईं। 80 हजार लाख टन प्लास्टिक कचरा फैला हुआ है, जिससे गंभीर रासायनिक तत्वों से संपर्क हो रहा है और इससे 1.5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक हानि प्रति-वर्ष हो रही है। %नैनो प्लास्टिक% तत्व मनुष्य शरीर तक पहुंच कर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर रहे हैं।

अनुमान है कि यदि सन् 2040 तक तापमान वृद्धि 2 डिग्री सेंटीग्रेड तक पंहुच गई तो जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिक-व्यवस्था का अपूरणीय विनाश हो सकता है। इससे बड़े पैमाने पर विस्थापन होगा। अर्थव्यवस्थाएं चौपट हो सकती हैं और बेरोजगारी, गरीबी, और अस्थिरता बढ़ेगी। उपजाऊ जमीनों के नष्ट होने से भूख, विविधता-विनाश, पौष्टिक आहार की कमी, अकाल और सामाजिक असंतोष के हालात बनेंगे।

इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल गंभीर प्रयास करने की जरूरत है, किन्तु जलवायु नियंत्रण समझौतों के विषय में बहुत से देश विमुखता दिखा रहे हैं। जो मान भी रहे हैं, वे भी %हरित प्रभाव गैसों% के उत्सर्जन में कटौती के लिए स्व-घोषित लक्ष्य ही मानने तक सीमित रहना चाहते हैं। इस स्थिति से बाहर निकल कर कुछ आवश्यक कदम उठाने होंगे, ख़ासकर %हरित प्रभाव गैसों% के उत्सर्जन में भारी कटौती करनी होगी। इसके लिए कार्बन-मुक्त ऊर्जा विकल्पों की ओर मुड़ना होगा। सौर-ऊर्जा, पवन-ऊर्जा, हाइड्रो-काईनैटीक ऊर्जा आदि विकल्प विकसित करने होंगे। पेट्रोल, डीज़ल पर दी जा रही सब्सिडी को हरित ऊर्जा की ओर मोड़ना पड़ेगा।

देवर्षि नारद: देवताओं के दिव्य दूत और संचार के अग्रणी साधक

– योगेश कुमार गोयल

नारद मुनि की छवि इधर की उधर करने वाले और आपस में भिड़ाकर क्लेश कराने वाले पौराणिक चरित्र के रूप में गढ़ दी गयी है लेकिन वास्तव में उनका प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक भक्त की पुकार भगवान तक पहुंचाना परिलक्षित होता है। वे एक लोक से दूसरे लोक में भ्रमण करते हुए संवाद-संकलन का कार्य कर सक्रिय एवं सार्थक संवाददाता की भूमिका निभाते हैं। संवाद के माध्यम से वे तोड़ने का नहीं बल्कि जोड़ने का कार्य करते हैं। देवताओं के ऋषि होने के साथ-साथ उन्हें देवताओं का दिव्य दूत और संचार का अग्रणी साधक माना गया है। उन्हें ब्रह्माण्ड का पहला ऐसा संदेशवाहक माना जाता है, जो एक लोक से दूसरे लोक की परिक्रमा करते हुए सूचनाओं का आदान-प्रदान किया करते थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद का जन्म ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के दिन हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन नारद जयंती मनाई जाती है, जो इस वर्ष 2 मई को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का पूजन करने के पश्चात् देवर्षि नारद की पूजा की जाती है। अपनी वीणा की मधुर तान से भगवान विष्णु का गुणगान करने और अपने श्रीमुख से सदैव नारायण-नारायण का जप करते हुए विचरण करने वाले नारद को महर्षि व्यास, महर्षि वाल्मीकि तथा महाज्ञानी शुकदेव का गुरू माना जाता है। कुछ शास्त्रों में नारद मुनि को त्रिकालदर्शी और विष्णु का अवतार भी माना गया है। श्रीमद्भागवद्पुराण के अनुसार सृष्टि में भगवान विष्णु ने देवर्षि नारद के रूप में तीसरा अवतार ग्रहण किया है। कुछ स्थानों पर उनका वर्णन बृहस्पति के शिष्य के रूप में भी मिलता है। धार्मिक पुराणों के अनुसार अनेक कलाओं तथा विद्या में निपुण देवर्षि नारद को संगीत की शिक्षा ब्रह्माजी ने स्वयं दी थी और भगवान विष्णु ने उन्हें माया के विविध रूप समझाए थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद ने ही भक्त प्रह्लाद, भक्त अम्बरीष, भक्त ध्रुव इत्यादि भगवान विष्णु के कई परम भक्तों को उपदेश देकर उन्हें भक्ति मार्ग में प्रवृत्त किया था। उन्होंने ही भृगु कन्या लक्ष्मी का विवाह भगवान विष्णु के साथ कराया। देवराज इन्द्र को समझा-बुझाकर देव नर्तकी उर्वशी का पुरुरवा के साथ परिणय सूत्र कराया। इसके अलावा वे कई अत्याचारी महाराक्षसों द्वारा जनता के उत्पीड़न का वृत्तांत भगवान तक पहुंचा कर उनके विनाश का माध्यम भी बने। महर्षि वाल्मीकि को रामायण की रचना करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण है कि समस्त युगों, कालों, विधाओं और वर्गों में सम्मान के पात्र रहे नारद जी का सभी लोकों की जानकारी रखने वाले मेधावी नीतिज्ञ तथा प्रभावशाली वक्ता के रूप में स्मरण किया जाता है। जन-जन के हितकारी देवर्षि नारद किस प्रकार धरती पर विभिन्न प्राणियों को दुखी देखकर स्वयं भी दुखी हो जाते थे, इसका उल्लेख भी एक पौराणिक कथा में मिलता है। कथानुसार, एक बार देवर्षि नारद ने बैकुंठधाम जाकर भगवान विष्णु से निवेदन किया कि वे पृथ्वी पर लोगों को दुखी देखकर खुद बहुत आहत हैं क्योंकि वहां धर्म के रास्ते पर चलने वाले लोगों का नहीं बल्कि गलत कार्य करने वालों का ही भला होता है। भगवान विष्णु ने कहा कि ऐसा नहीं है, जो कुछ भी हो रहा है, सब नियति के जरिये ही हो रहा है। हालांकि उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसा उन्होंने क्या देख लिया, जिसके आधार पर वे ऐसा कह रहे हैं? तब देवर्षि ने कहा कि उन्होंने जंगल में दलदली जमीन में फंसी एक गाय देखी। एक चोर वहां आया और गाय को दलदल में फंसी देखकर भी उसकी कोई मदद करने के बजाय वह उसी पर चढ़ कर दलदल लांघ कर निकल गया, उसे आगे जाकर सोने की मोहरों से भरी थैली मिली। कुछ पलों बाद वहां एक वृद्ध साधु आए, जिन्होंने काफी प्रयासों के बाद गाय को दलदल से बाहर निकाल दिया लेकिन थोड़ा आगे जाने पर वही साधु गहरे गड्ढे में गिरकर घायल हो गए। आखिर यह कौन-सा न्याय है? देवर्षि की बातें सुनने के पश्चात् भगवान विष्णु ने कहा कि जो चोर गाय पर चढ़कर भाग गया था, उसकी किस्मत में तो एक बड़ा खजाना था लेकिन उसके इस पाप के कारण उसे केवल कुछ मोहरें ही मिली जबकि साधु को गड्ढे में इसलिए गिरना पड़ा क्योंकि उनके भाग्य में मृत्यु लिखी थी लेकिन गाय को बचाने के कारण उनके पुण्य बढ़ गए और उनकी मृत्यु एक छोटी-सी चोट में बदल गई। भगवान विष्णु ने उन्हें समझाते हुए कहा कि किसी भी इंसान के कर्म से ही उसका भाग्य तय होता है। सद्गुणों के अथाह भंडार और समस्त शास्त्रों में प्रवीण देवर्षि नारद को शास्त्रों में मन का ऐसा भगवान कहा गया है, जो किसी भी होनी-अनहोनी को समय रहते पहचान लेते हैं। उन्हें वेदों और उपनिषदों का मर्मज्ञ, न्याय तथा धर्म का तत्वज्ञ, शास्त्रों का प्रकांड विद्वान, इतिहास व पुराण विशेषज्ञ, औषधि ज्ञाता, योगनिष्ठ, ज्योतिष एवं संगीत विशारद, भक्ति रस का प्रमुख तथा अतीत की बातों को जानने वाला माना गया है। वे ऐसे पौराणिक चरित्र हैं, जो तत्वज्ञान में परिपूर्ण हैं। पच्चीस हजार श्लोकों वाला प्रसिद्ध 'नारद पुराण' देवर्षि द्वारा ही रचा गया है, जिसमें उन्होंने भगवान विष्णु की भक्ति महिमा के साथ-साथ मोक्ष, धर्म, संगीत, ब्रह्मज्ञान, प्रायश्चित इत्यादि कई विषयों की मीमांसा प्रस्तुत की है। इसके अलावा संगीत का एक उत्कृष्ट ग्रंथ 'नारद संहिता' भी है।

श्रम के सम्मान से पूरा होगा विकसित भारत का स्वप्न

गिरीश्वर मिश्र

श्रम और उत्पादकता के मध्य अनिवार्य रिश्ते के चलते श्रम पर वर्चस्व स्थापित करने और अपने हित में करने की जद्दोजहद लम्बे समय से चलती चली आ रही है। दास, दस्यु, भृत्य, बेगार और मज़दूर के रूप में समाज के कुछ हिस्से पीढ़ी-दर-पीढ़ी वंचित और उपेक्षित बने रहे।

श्रमिक की स्थिति जाति की औक़ात से जुड़ गई। उनकी आर्थिक विपन्नता और निम्न सामाजिक स्थिति जगज़ाहिर है। उनका शोषण सदियों से होता चला आ रहा है। उनके साथ भेदभाव और पूर्वाग्रह का प्रमुख आधार अस्पृश्यता है जो सामाजिक दूरी को सुदृढ़ करती है।

समय के साथ इसके सामाजिक-राजनैतिक निहितार्थ जटिल होते गए हैं जिसका परिणाम आरक्षण नीति और उसे लागू करने में दिखते हैं।

उनको निम्न स्तर के काम सौंप कर और फिर उस काम को 'हीन' कह कर उनसे दूरी बनाई गई।

पीढ़ी-दर-पीढ़ी पीछे धकेले जाते रहने से जीवन शैली, विश्वास और परम्पराओं का भी भिन्न रूप बनता गया। एक ही समाज के अंग होने पर भी प्रभुत्व पर टिका सामाजिक स्तरीकरण 'अन्नदाता' प्रभु और 'सेवक' आश्रित की कोटियों को लेकर जाति-भेद की जड़ों को मज़बूत करता रहा। मानव अधिकार की पात्रता भी इसी से जुड़ गई। कर्म और कर्तव्य के नैसर्गिक आदर्श को भुलाते हुए श्रम का आशय बदलता रहा है।

बहुतों की नज़र में काम न करना या कम काम करना या दूसरों अधीनस्थ लोगों द्वारा काम कराना इज्जत से जुड़ गया। 'काम करना' हेय दृष्टि से देखा जाने लगा। काम करने वाले के ऊपर ज़ुल्म ढाना एक स्वीकृत रिवाज हो गया। समाज के अंतिम जन को लेकर 卐अस्पृश्य卐 और 卐अंत्यज卐 की कोटियाँ बना दी गई।

तथ्य यह भी है कि अन्यान्य कारणों से सामाजिक वर्ग भेद किसी न किसी रूप में हर समाज में मिलता है पर भारतीय परिस्थितियों में श्रम का सामाजिक ताना-बना ज़्यादा उलझता गया।

सामाजिक सुधारों और क़ानूनी पहल से जातिगत भेदभाव से निजात पाने की कोशिश होती रही। इस बीच काम के तरीक़े और प्रकार भी बदले। कामकाज की दुनिया में प्रवेश को विशिष्टता, प्रशिक्षण और निपुणता की दृष्टि से अनेक श्रेणियों में रखने की शुरुआत हुई। आज सफ़ेदपोश और उच्च नौकरियों में बहुत थोड़े से लोग हैं दूसरी ओर असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों का बाहुल्य है। अनुमान है कि आज भी बंधुआ मज़दूर जिनको काम के बदले पारिश्रमिक नहीं मिल रहा, बड़ी भारी संख्या में हैं। वे क़र्ज़ में हैं और इनमें महिलाएँ बड़ी संख्या में हैं।

आज भारत में अनुमानतः कुल श्रमिकों में से लगभग 93 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र से आते हैं। उनके लिए न्यूनतम वेतन की सुरक्षा दे पाना आज भी बड़ी चुनौती है। उदाहरणार्थ कृषि कर्मियों को भी समुचित पारिश्रमिक नहीं मिलता। ऐसे ही फ़ैक्ट्री या खदान के दमघोंटू ख़राब वातावरण में काम की अस्वास्थ्यकर दशाओं को सुधारना असंभव ही लगता है। सीवर में नीचे पैठ जाने कितने श्रमिक प्रतिवर्ष जान से हाथ धो बैठते हैं। बड़े पैमाने पर होने वाली घटनाएँ भी प्रभावित करती हैं। उदाहरणार्थ कोविड महामारी के दौरान लॉकडाउन हुआ। उसके चलते विस्थापन और नौकरी गँवाने की बड़ी घटनाएँ हुई। इनका सीधा असर गरीब जनता और दिहाड़ी मज़दूरों पर पड़ा।

यह याद रखना होगा कि श्रम उत्पादन की शक्ति है जो ऐसे कार्य को द्योतित करती है जो लोग वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए करते हैं। श्रम में सभी मानवीय गतिविधियाँ शारीरिक और मानसिक प्रयास सम्मिलित होती हैं जो किसी उत्पाद या सेवा को समृद्ध कर मूल्यवान बनाती हैं। श्रमिक या मज़दूर समाज के ऐसे विशिष्ट समूह कहे जा सकते हैं जो इसमें संलग्न होते हैं। इस सोच में श्रम भी विक्रय की वस्तु कमोडिटी हो गया और श्रम की ख़रीद-फ़रोख़्त हो रही है।

श्रम या कार्य-बल लेबर फ़ोर्स उत्पादन का एक सक्रिय और अनिवार्य साधन है। श्रम काम का माप होता है और इसमें वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में किया जाने वाला सभी प्रकार का कार्य शामिल होता है।

श्रम उत्पादन में भूमि और पूँजी की तरह ही एक कारक है जो आर्थिक विकास को निर्धारित करता है। यह श्रम कितने शिक्षण और प्रशिक्षण की अपेक्षा करता है इसे ध्यान में रख कर बहुधा कुशल (जिसके लिए उच्च स्तर का प्रशिक्षण अपेक्षितहोता है), अकुशल (प्रशिक्षणरहित), अर्ध कुशल (कुशल और अकुशल के बीच) और पेशेवर (उच्चतम शिक्षा और प्रशिक्षण अपेक्षित) इन चार श्रेणियों में विभाजित किया जाता है। श्रमिक को वेतन या किसी दूसरे क़िस्म का मुआवज़ा देकर उसकी श्रम सेवाएँ श्रम के बाज़ार से ख़रीदी जाती हैं। आज भारतीय जनसंख्या का बहुत बड़ा हिस्सा युवा है जो उत्पादकता का सक्षम माध्यम हो सकता है बशर्ते उसे सुशिक्षित और कौशलयुक्त बना कर प्रशिक्षण से निपुण की कोटि में लाया जाय।

विभिन्न प्रकार के उद्योगों और व्यवसायों का मूल आधार श्रम ही है। श्रमिक नौकरियों के लिए और नियोक्ता श्रमिकों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। श्रम-सेवाओं की माँग और आपूर्ति किसी भी समय काम की मात्रा, उपलब्ध श्रमिकों की संख्या, श्रमिकों द्वारा मज़दूरी का स्वीकार्य स्तर को देखते हुए घटती-बढ़ती है।

श्रम के लिए अनेक क़ानून बनाए गए हैं जो न्यूनतम मज़दूरी और उनके हितों की रक्षा के लिए हैं। इसकी देखरेख के लिए श्रम मंत्रालय और उसके अधीन व्यवस्थाएँ बनी हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) वैश्विक स्तर पर श्रम से जुड़े नीतिगत प्रश्नों के समाधान के लिए उद्यत रहता है। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति के लिए साल 2020 में क़ानून बना था जो श्रमिक, रोज़गार देने वालों और ट्रेड यूनियन के बीच का रिश्ता निर्धारित करता है। काम के घंटे, उपस्थिति, शर्तें, छुट्टी, अधिकार और देनदारी (बीमारी और दुर्घटना आदि) को ध्यान में रख सुरक्षा हेतु व्यवस्थाएँ दी गई हैं।

साल 2022 में जारी न्यूनतम वेतन अधिसूचना के अनुसार अर्धकुशल श्रमिक का वेतन 10,687 रुपये और कुशल श्रमिक का वेतन 11, 584 रुपये तय हुआ था। साल 2023 में दिहाड़ी मज़दूर का पारिश्रमिक 385 रूपये प्रतिदिन निश्चित हुआ था । निर्माण से जुड़े उद्योग श्रम-प्रधान होते हैं जिनमें हाथ और औंजारों का उपयोग मुख्य होता है। सेवा-उद्योग भी होते हैं जो मुख्यतः आतिथ्य और निजी देख-भाल से जुड़े होते हैं। भारत में अब श्रमिकों को न्यूनतम मज़दूरी का अधिकार मिल गया है। अनुमान है कि संगठित और असंगठित श्रमिक की जनसंख्या पचास करोड़ से ज़्यादा हैं। बाल श्रम और बंधुआ मज़दूरी का उन्मूलन अभी भी शेष है।

जीवन में तकनीकी की बढ़ती घुसपैठ के चलते मनुष्य के श्रम के स्वरूप में क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। जीवन के विभिन्न कार्यों के तरीक़े बदल रहे हैं। ज़्यादा दिन नहीं हुए कोरोना ने दृश्य ही बदल दिया था जब रिमोट वर्किंग का दौर शुरू हुआ और नए ढाँचे में काम धाम शुरू हुआ । आज बौद्धिक श्रम करने वाले 'बुद्धिजीवी' और शारीरिक श्रम करने वाले को 'श्रमजीवी' कहने का चलन है। दो कोटियाँ बना कर एक अस्तित्व के दोनों पक्षों की परस्परपूरकता को खंडित कर दिया गया। बुद्धिजीवी और श्रमजीवी कह कर मन और शरीर का जो द्वैत शुरू हुआ वह भ्रामक होते हुए व्यावहारिक रूप से लागू है। शारीरिक श्रम की स्थिति में जहां श्रम प्रत्यक्ष होता है उसका मूल्य कम आंका जाता है। दूसरी ओर मानसिक श्रम की क़ीमत की कोई सीमा ही नहीं है।

भारतीय संविधान की दृष्टि में सभी श्रमिक एक समान हैं और किसी के विरुद्ध लैंगिक और जातिगत भेदभाव नहीं होना चाहिए। रोज़गार के लिए समान अवसर सबका अधिकार है। जबरन श्रम कराना निषिद्ध है और बाल श्रम पर रोक लगाई गई है। काम करने का अधिकार सक्रिय है और राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम भी लागू है। अभी भी देश में लाखों लोग बेरोज़गार हैं और निम्न गुणवत्ता की नौकरियों में फँसे हुए हैं। देश के विकास को गति देने के लिए ज़रूरी है कि कार्यबल में शामिल होने के लिए नए प्रवेशकों को अवसर दिए जाय। श्रम का आदर और सम्मान देने की संस्कृति अपनाकर ही विकसित भारत का स्वप्न पूरा हो सकेगा।

लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।

ड्रेसिंग रूम में वेपिंग करते पकड़े गए रियान पराग, मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। रियान पराग को आईपीएल 2026 में आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में बड़ा झटका लगा है। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान पराग को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में वेपिंग करते पकड़े जाने पर 25 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही एक डिमेरिट अंक भी दिया गया है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने जारी बयान में बताया कि पराग ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.21 का उल्लंघन किया है, जो खेल की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले आचरण से संबंधित है। यह घटना मंगलवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए मुकाबले के दौरान हुई, जब राजस्थान रॉयल्स 222 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही थी और चार गेंद शेष रहते मैच जीत लिया था। पराग ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और मैच रेफरी अमित शर्मा द्वारा दी गई सजा को मान लिया है। बीसीसीआई ने यह भी संकेत दिया है कि वह इस मामले में और कड़ी कार्रवाई के विकल्पों पर विचार कर रहा है, ताकि आईपीएल की साख बरकरार रखी जा सके। बोर्ड टीम, अधिकारियों और संबंधित खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कदम उठा सकता है।

पीसीए की सफल मेजबानीः आईपीएल के 4 मैचों में फुल स्टेडियम, रेवेन्यू पहुंचा 8 करोड़ के करीब

न्यू चंडीगढ़। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 4 मुकाबलों की सफल मेजबानी करते हुए इस बार कई मायनों में नई उपलब्धि हासिल की। सभी मैचों में स्टेडियम खचाखच भरा नजर आया और एक भी मुकाबले में दर्शकों की कमी नहीं दिखी। पीसीए द्वारा फैंस की सुविधाओं में किए गए सुधार और बेहतर मैनेजमेंट का असर साफ तौर पर देखने को मिला। इसमें प्रेसिडेंट अमरजीत मेहता का रोल बेहद अहम रहा। दर्शकों को बेहतर अनुभव देने के प्रयासों ने स्टेडियम में उनकी मौजूदगी और उत्साह दोनों को बढ़ाया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया भी मुकाबले देखने के लिए स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने भी सुविधाओं की सराहना की। इन मुकाबलों से पीसीए को रिकॉर्ड रेवेन्यू भी मिला। जहां पहले कमाई 2-3 करोड़ रुपए के आसपास रहती थी, वहीं इस बार यह आंकड़ा करीब 8 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। पीसीए के प्रेसिडेंट अमरजीत मेहता ने इस सफलता का श्रेय फैंस को देते हुए कहा कि दर्शकों ने स्टेडियम में आकर न सिर्फ पीसीए का मान बढ़ाया, बल्कि टीम का हौसला भी बढ़ाया। उन्होंने इसे 'पंजाब और पंजाबियत की जीत' बताया। उन्होंने कहा कि आगे भी पीसीए का फोकस सुविधाओं को बेहतर करने और पंजाब के क्रिकेट को नए स्तर पर ले जाने पर रहेगा।

मार्टा कोस्त्युक ने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 के सेमीफाइनल में जगह बनाई

मैड्रिड । मार्टा कोस्त्युक ने चेक गणराज्य की 13वीं सीड लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ 7-6(1), 6-0 से जीत हासिल करते हुए अपने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 के सेमीफाइनल में जगह बनाई। यूक्रेनी खिलाड़ी अपने पहले डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में जगह बनाने के लिए लकी लूजर अनास्तासिया पोटापोवा से भिड़ेंगी। कोस्त्युक डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर पोटापोवा के खिलाफ 2-2 से बराबर हैं, लेकिन उन्होंने अपने पिछले दो मैच सीधे सेटों में जीते हैं, जिसमें पिछले साल मैड्रिड में उनका सबसे हालिया मैच भी शामिल है। दूसरे सेमीफाइनल में मीरा एंड्रीवा और हैली बैप्टिस्ट का मुकाबला होगा। पहले सेट में कुल मिलाकर आठ सर्व ब्रेक हुए। दोनों खिलाड़ियों को मनोलो सैंटाना स्टेडियम के ठंडे तापमान में सर्व पर संघर्ष करते देखा गया। कोस्त्युक ने ब्रेकर में शानदार खेल दिखाया और उसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 23 साल की कोस्त्युक ने पूरे मैच में नोस्कोवा की सर्व पर 23 ब्रेक पॉइंट के मौके बनाए, जिनमें से सात को गोल में बदला। शुरुआती सेट के उलट, कोस्त्युक को जीरो ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा और पूरे दूसरे फ्रेम में सर्व पर सिर्फ एक पॉइंट गंवाया। कोस्त्युक ने 2018 में टूर्नामेंट में डेब्यू किया था और अपने पहले पांच मेन ड्रॉ में सिर्फ एक मैच जीता था।

थॉमस कप क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला ताइपे से होगा

हॉर्सेंस । बीडब्ल्यूएफ थॉमस कप फाइनल में खेला गया नॉकआउट ड्रॉ होने के बाद क्वार्टर फाइनल में भारतीय पुरुष टीम का सामना चीनी ताइपे से होगा। साल 2022 के चैंपियन ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर रहे और अपने शुरुआती दो मुकाबलों में कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमशः 4-1 और 5-0 से जीत हासिल करके पहले ही क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके थे, लेकिन अपने आखिरी ग्रुप मैच में उन्हें चीन के हाथों 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। चीनी ताइपे ने हार के कगार पर पहुंचने के बावजूद, किसी तरह सबसे मुश्किल रास्ते से गुजरते हुए थॉमस कप के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनाई। ग्रुप-सी के आखिरी मुकाबले में मेजबान डेनमार्क को हराना जरूरी था, जिन्हें सिर्फ एक मैच जीतना था, ऐसे में चीनी ताइपे ने बुधवार को अपनी दूसरी और तीसरी सिंगल्स की ताकत पर भरोसा किया, ताकि वे आगे बढ़ सकें।डिफेंडिंग चैंपियन चीन, जो ग्रुप-ए में अजेय रहते हुए शीर्ष पर रहा, उसका मुकाबला मलेशिया से होगा। ग्रुप-बी के शीर्ष पर रहे जापान का मुकाबला फ्रांस से होगा।

फीफा विश्व कप 2026: ईरान की भागीदारी की पुष्टि, अमेरिका में ही खेलेगा अपने मैच

एजेंसी

वैंकूवर। विश्व फुटबॉल की नियामक संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने स्पष्ट कर दिया है कि ईरान फुटबॉल टीम फीफा विश्व कप 2026 में हिस्सा लेगी और अपने मैच अमेरिका में ही खेलेगी। फीफा अध्यक्ष ने वैंकूवर में आयोजित वैश्विक फुटबॉल महासंघ की कांग्रेस के दौरान यह घोषणा की। इन्फेंटिनो ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा, 'मैं शुरुआत में ही यह पुष्टि करना चाहता हूं कि ईरान निश्चित रूप से फीफा विश्व कप 2026 में भाग लेगा और अपने मैच संयुक्त राज्य अमेरिका में खेलेगा। '

48 टीमों वाला बड़ा टूर्नामेंट

फीफा विश्व कप 2026 का आयोजन कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका और मेक्सिको की संयुक्त

मेजबानी में 11 जून से 19 जुलाई तक होगा। इस बार टूर्नामेंट में 48 टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे टीमों और अधिकारियों को विभिन्न देशों के बीच लगातार यात्रा करनी होगी। ऐसे में वीजा और कूटनीतिक संबंधों को लेकर चुनौतियां सामने आ सकती हैं।

ईरान ने लगातार चौथी बार किया क्वालीफाई

ईरान ने एशियाई क्वालीफायर के तीसरे चरण में ग्रुप-ए में शीर्ष स्थान हासिल कर लगातार चौथी बार विश्व कप के लिए जगह बनाई है। हालांकि, ईरान फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने अमेरिका और इज़राइल के साथ तनावपूर्ण हालात को लेकर चिंता जताई है। ईरान को ग्रुप-जी में बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। टीम के मुकाबले अमेरिका के लॉस एंजेलिस और सिएटल में खेले जाएंगे। अगर अमेरिका और ईरान अपनी-अपनी ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहते हैं, तो दोनों टीमें 3 जुलाई को डलास में होने वाले नॉकआउट मुकाबले में आमने-सामने आ सकती हैं। ईरान ने अमेरिका में मैच खेलने के बजाय वैकल्पिक स्थल की मांग की थी, लेकिन फीफा ने इसे खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि तय कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं होगा।

इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि ईरानी खिलाड़ियों को विश्व कप में भाग लेने की अनुमति होगी, लेकिन उनके साथ ऐसे व्यक्तियों को आने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिनका संबंध ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से हो।

रियल कश्मीर की शानदार जीत, 10 खिलाड़ियों वाली गोकुलम केरल को 3-0 से हराया

एजेंसी

हैदराबाद। रियल कश्मीर एफसी ने स्टार सीमेंट इंडियन फुटबॉल लीग 2025-26 के रेलेगेशन चरण के मुकाबले में गोकुलम केरल एफसी को 3-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। डेक्कन एरिना में खेले गए इस मैच में कश्मीर की टीम ने शुरू से ही दबाव बनाए रखा और मौके भुनाने में सफल रही। मैच का पहला गोल 26वें मिनट में गोकुलम केरल के डिफेंडर विटोर बाराटा के आत्मघाती गोल के रूप में आया, जिससे रियल कश्मीर को बढ़त मिली। इसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में टीम ने तेजी दिखाई और 49वें मिनट में शेड्रैक चार्ल्स ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। महज तीन मिनट बाद मोहम्मद इनाम ने तीसरा गोल दागकर मुकाबले को एकतरफा बना दिया। गोकुलम केरल की मुश्किलें पहले हाफ में ही बढ़ गई थीं, जब खिलाड़ी बूबा अमीनू को दूसरा पीला कार्ड मिलने के बाद मैदान छोड़ना पड़ा। 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही टीम ने कुछ मौके जरूर बनाए, लेकिन उन्हें गोल में बदलने में नाकाम रही। रियल कश्मीर ने पूरे मैच में बेहतर तालमेल और रणनीति का प्रदर्शन किया। टीम के खिलाड़ियों ने सेट-पीस का अच्छा इस्तेमाल किया और विपक्षी गोलकीपर की गलतियों का फायदा उठाया। खासकर तीसरा गोल गोकुलम केरल की डिफेंसिव चूक का नतीजा था, जिसे मोहम्मद इनाम ने शानदार तरीके से भुनाया। इस जीत के साथ रियल कश्मीर ने लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। वहीं गोकुलम केरल के लिए यह हार चिंता बढ़ाने वाली है, क्योंकि टीम अभी भी रेलेगेशन के खतरे से जूझ रही है।

आईपीएल 2026 : गुजरात टाइटंस की धमाकेदार जीत, आरसीबी को 4 विकेट से हराया

एजेंसी

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 के मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 4 विकेट से हराकर सीजन की अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में गुजरात ने 156 रन के लक्ष्य को 15.5 ओवर में हासिल कर लिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी गुजरात ने बेंगलुरु को 19.2 ओवर में 155 रन पर समेट दिया। इसके जवाब में गुजरात की शुरुआत तेज रही, जहां कप्तान शुभमन गिल ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 43 रन की पारी खेली और टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। हालांकि बीच के ओवरों में गुजरात के कुछ विकेट जल्दी-जल्दी गिरे, लेकिन जोस बटलर (39) और बाद में राहुल तेवतिया ने पारी को संभाले रखा। अंत में राशिद खान ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई और मुकाबले का समापन किया।

बेंगलुरु की ओर से भुवनेश्वर कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके। उन्होंने गिल, बटलर और साई सुदर्शन जैसे अहम बल्लेबाजों को आउट किया। इस प्रदर्शन के साथ ही वे सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं और पर्पल कैप अपने नाम कर ली है। इससे पहले

बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु की शुरुआत अच्छी रही, जहां विराट कोहली ने तेज रन बनाए, लेकिन टीम उस लय को बरकरार नहीं रख सकी। देवदत्त पडिक्कल ने 40 रन की पारी खेली, लेकिन बाकी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं कर सके। गुजरात की गेंदबाजी में अरशद खान ने 3 विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई, जबकि जेसन होल्डर और राशिद खान ने 2-2 विकेट लिए। गेंदबाजों के इस सामूहिक प्रदर्शन ने बेंगलुरु को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोक दिया। इस जीत के साथ गुजरात अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि बेंगलुरु 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है। मुकाबला भले ही कम स्कोर का रहा, लेकिन दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली।

एमपीएस हॉट वेदर क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़ेगी मॉडर्न पब्लिक स्कूल और आरएसडी की टीमें

एजेंसी

मुरादाबाद। दिल्ली रोड स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में चल रही एमपीएस हॉट वेदर क्रिकेट टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। जिसमें मॉडर्न पब्लिक स्कूल और आरएसडी अकैडमी की टीम ने जीत दर्ज की अब 04 मई को फाइनल मुकाबले में मॉडर्न पब्लिक स्कूल और आर एस डी एकेडमी के बीच खिताबी भिड़ंत होगी। आयोजन सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि आज पहला क्वार्टर फाइनल मैच मॉडर्न पब्लिक स्कूल बनाम ए एम वर्ल्ड स्कूल चंदौसी के मध्य खेला गया। जिसमें ए एम वर्ल्ड स्कूल की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया, बल्लेबाजी करने उतरी एमपीएस की ने 8 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 189 रनों का लक्ष्य दिया, जवाब में उतरी ए एम वर्ल्ड स्कूल की ने आठ में चार विकेट खोकर कुल 87 रन ही बना पाई ।दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच राजेंद्र एकेडमी बनाम बोनी ऐनी पब्लिक स्कूल के मध्य खेला जिसमें राजेंद्र एकेडमी की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी,

बल्लेबाजी करने उतरी बोनी ऐनी की टीम ने आठ ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 65 रनों का लक्ष्य दिया, लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजेंद्र एकेडमी की टीम आठ ओवर में एक विकेट के नुकसान पर कुल 55 ही बना सकी । इसके बाद दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। पहला सेमीफाइनल मैच मॉडर्न पब्लिक स्कूल बनाम गांधी नगर पब्लिक स्कूल के मध्य खेला गया जिसमें एम पी एस की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और आठ ओवर में बिना विकेट के नुकसान से 129 रनों का लक्ष्य दिया, जवाब में उतरी गांधी नगर की टीम आठ ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर कुल 59 रन ही बना सकी और एम पी एस ने 69 रनों से जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल मैच बोनी ऐनी पब्लिक स्कूल बनाम आर एस डी एकेडमी स्कूल के मध्य खेला गया जिसमें बोनी ऐनी की टीम ने आठ ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 78 रनों का लक्ष्य दिया, लक्ष्य का पीछा करने उतरी आर एस डी एकेडमी की टीम ने 7.3 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य को प्राप्त किया व फाइनल के लिए प्रवेश किया।

इंग्लैंड दौरे के लिए साउथ अफ्रीका ए टीम का ऐलान, डेन पैटरसन और ओटनील बार्टमैन को मौका

एजेंसी

जोहान्सबर्ग। अनुभवी तेज गेंदबाज डेन पैटरसन और ओटनील बार्टमैन के साथ युवा खिलाड़ी नक़ोबानी मोकाएना को इंग्लैंड दौरे के लिए साउथ अफ्रीका ए टीम में शामिल किया गया है। यह टीम इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 22 मई से शुरू होने वाले दो चार-दिवसीय मुकाबले खेलेगी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के अनुसार, टीम की कप्तानी मार्केस एकरमैन करेंगे, जबकि कोचिंग की जिम्मेदारी वांडिले ग्वावु संभालेंगे। पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जस्टिन ऑन्टोंग और रोरी क्लेनवेल्ट को क्रमशः बल्लेबाजी और गेंदबाजी कोच बनाया गया है।डेन पैटरसन ने आखिरी बार दिसंबर 2024 में टेस्ट मैच खेला था, जब उन्होंने साउथ अफ्रीका को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद वह अंतिम एकादश से बाहर रहे और पाकिस्तान व भारत के दौरे पर टीम में शामिल नहीं किए गए। 37 वर्षीय

पैटरसन के पास केंद्रीय अनुबंध भी नहीं है लेकिन आगामी घरेलू टेस्ट सीजन को देखते हुए उन्हें फिर मौका मिला है। वहीं, 33 वर्षीय ओटनील बार्टमैन, जो टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर रह गए थे, अब टेस्ट टीम में वापसी के लिए खुद को साबित करने का मौका पाएंगे। उनके साथ 19 वर्षीय तेज गेंदबाज नक़ोबानी मोकाएना को भी शामिल किया गया है, जिनके नाम तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच हैं। ये तीनों खिलाड़ी वनडे टीम में भी शामिल हैं, जो चार-दिवसीय मैचों के बाद तीन मुकाबले खेलेगी। वनडे टीम में क्वेना मफाका और जेराल्ड कोएट्ज़ी को भी जगह मिली है। बल्लेबाजी में टोनी डी जोरजी की वापसी हुई है, जो चोट के कारण टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए थे। जेसन स्मिथ, जिन्होंने वर्ल्ड कप में सिर्फ एक मैच खेला था, को भी मौका दिया गया है। इसके अलावा जॉर्डन हरमन, रुबिन हरमन, सिनेथेम्बा क्वेशिले और लेसेगो सेनोकवाने जैसे खिलाड़ी भी टीम में शामिल हैं, जो राष्ट्रीय टीम के करीब हैं। वनडे टीम में ल्हुआन-ड्रे प्रिटोरियस और कॉनर एस्टरहुइजन जैसे बल्लेबाजों को भी शामिल किया गया है, जो इस समय आईपीएल में खेल रहे हैं। प्रिटोरियस पहले ही सभी फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका के लिए खेल चुके हैं, जबकि एस्टरहुइजन ने न्यूजीलैंड में टी20 डेब्यू पर शानदार प्रदर्शन किया था। साउथ अफ्रीका ए टीम इंग्लैंड में दो चार-दिवसीय मैच अरुंडेल और बेकनहैम में खेलेगी, जबकि वनडे मुकाबले लीसेस्टर और वूस्टर में आयोजित होंगे।

साउथ अफ्रीका ए (चार-दिवसीय टीम)।

मार्केस एकरमैन (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, टोनी डी जोरजी, ब्योर्न फॉर्चुइन, जुबैर हमज़ा, जॉर्डन हरमन, रुबिन हरमन, नक़ोबानी मोकाएना, डेन पैटरसन, सिनेथेम्बा क्वेशिले, लेसेगो सेनोकवाने, जेसन स्मिथ, प्रेनेलन सुब्रायन, टियान वान वुरेन, कोडी यूसुफ।

अंडर-20 यूपी फुटबॉल टीम में मुरादाबाद के जाने आलम का चयन

एजेंसी

मुरादाबाद। ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ द्वारा प्रदेश की टीम घोषित की गई, जिसमें मुरादाबाद मण्डल का एकमात्र खिलाडी जाने आलम का चयन हुआ है। ज़िला मुहम्मद नासिर कमाल ने आगे बताया कि अंडर-20 अंतर मंडलीय प्रदेश स्तरीय फुटबॉल चैम्पियनशिप 2026 का आयोजन बीते दिनों 13 अप्रैल से 18 अप्रैल तक मॉडर्न पब्लिक स्कूल मुरादाबाद मे ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद द्वारा कराया गया। जिसमें प्रदेश की सभी 18 मण्डलों की टीम ने प्रतिभाग किया। उसके उपरांत मुख्य चयन में मुरादाबाद के टीम खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया। जिसमें जाने आलम, मुहम्मद नोमान व निखिल कुमार पर मुख्य चयन में चयन कर्ताओं को जाने आलम ही प्रभावित करने में सफल रहा। जिसके बाद 31 खिलाड़ियों का 10 दिवसीय प्रशिक्षण कैम्प रेनूकुट में आयोजित किया गया। जहाँ आज महासचिव उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ द्वारा प्रदेश की टीम घोषित की गई। जिसमें मुरादाबाद मण्डल का एक खिलाड़ी जाने आलम का नाम अंतिम चयन में शामिल किया गया।

स्वामी दयानंद सरस्वती टी-20 टूर्नामेंट : आर्यन शर्मा और अंकित कुमार के दम पर पीजीडीएवी ने दर्ज की बड़ी जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। तीसरे स्वामी दयानंद सरस्वती टी-20 डे-नाइट इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट में पीजीडीएवी कॉलेज (प्रातः) ने ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज पर 93 रनों की शानदार जीत दर्ज की। टीम की जीत में आर्यन शर्मा और अंकित कुमार ने अहम भूमिका निभाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए पीजीडीएवी (प्रातः) ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 272 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

आर्यन शर्मा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 131 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया, जिससे टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही।लक्ष्य का पीछा करने उतरी ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज की टीम दबाव में नजर आई और 16.1 ओवर में 179 रन पर सिमट गई। हालांकि, उनकी ओर से लोकेश बेनिवाल ने 105 रनों की

शानदार पारी खेली, लेकिन उन्हें अन्य बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला। पीजीडीएवी (प्रातः) के लिए अंकित कुमार ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 55 रन बनाने के साथ 5 विकेट भी झटके और टीम की जीत के हीरो बने। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया।एक अन्य लीग मुकाबले में पीजीडीएवी ब्लू ने पीजीडीएवी (सांध्य) को 91 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पीजीडीएवी ब्लू ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 240 रन बनाए।

राहुल बाग ने 92 रन और लक्ष्य बंसल ने 78 रन की शानदार पारियां खेलीं। प्रबल सचदेव ने गेंदबाजी में कमाल करते हुए 57 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। जवाब में पीजीडीएवी (सांध्य) की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 149 रन ही बना सकी। लक्ष्य शर्मा (28 रन) और विनय दुबे (25 रन) ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। गेंदबाजी में ब्रायन झा ने 3 और दक्ष ने 2 विकेट लेकर टीम की जीत सुनिश्चित की।

आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप 2026: सौरव कोठारी, पंकज आडवाणी और टीम को साई से 6.46 लाख की सहायता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने आयरलैंड में आयोजित आईबीएसएफ विश्व पुरुष बिलियर्ड्स चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम की भागीदारी के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की। इस सहयोग के तहत 2026 के विश्व चैंपियन सौरव कोठारी, कई बार के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी और कोच अशोक शांडिल्य को समर्थन दिया गया।

यह चैंपियनशिप 29 अप्रैल को समाप्त हुई, जिसमें भारतीय दल ने सरकार की 'राष्ट्रीय खेल महासंघ सहायता योजना' के तहत मिली मदद से हिस्सा लिया। साई ने बिलियर्ड्स और स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएसएफआई) को टीम की भागीदारी के लिए लगभग 6.46 लाख रुपये की राशि मंजूर की। इस राशि में खिलाड़ियों और कोच के यात्रा खर्च, ठहरने, भोजन और प्रतियोगिता से जुड़े अन्य आवश्यक खर्च शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर समर्थन देना और उन्हें बड़े टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

वापी के युवा कलाकार का कमाल, धोनी के लिए बनाया 25 फीट लंबा विशाल स्केच

एजेंसी

दमन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के प्रति सम्मान जताने के लिए वापी गुजरात के एक युवा कलाकार ने अपनी अनोखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। 'क्रिएटिव करण' के नाम से पहचान रखने वाले करण विश्वकर्मा ने धोनी का 25 फीट लंबा भव्य स्केच बनाकर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस विशाल कलाकृति के पीछे करण की कड़ी मेहनत छिपी है। स्केच तैयार करने के लिए 500 से अधिक 4 साइज के पेपर का उपयोग किया गया। हर कागज पर चित्र का अलग हिस्सा बनाया गया और बाद में उन्हें इस तरह जोड़ा गया कि एक 25 फीट का जीवंत चित्र तैयार हो गया। इस पूरी प्रक्रिया में करण को लगातार 7 दिन लगे। यह अनोखी कला दमन के मोटी दमन किले के पास लाइटहाउस क्षेत्र में तैयार की गई। समुद्र किनारे तेज हवाओं के कारण पेपर्स को स्थिर रखना एक बड़ी चुनौती थी। कई बार कागज उड़ने की स्थिति भी बनी, लेकिन करण ने धैर्य के साथ अपनी कला को पूरा किया। करण के अनुसार, धोनी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह मैदान पर कम नजर आते हैं, इसलिए अपने पसंदीदा खिलाड़ी के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए उन्होंने यह अनोखा तरीका चुना। उनकी इच्छा है कि यह कलाकृति सोशल मीडिया के जरिए खुद महेंद्र सिंह धोनी तक पहुंचे।

शिखर धवन के 'डा वन स्पोर्ट्स' ने ग्वालियर में पहला हाई परफॉर्मेंस सेंटर लॉन्च किया

एजेंसी

ग्वालियर। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के 'डा वन स्पोर्ट्स' ने ग्वालियर में आदित्य वर्ल्ड क्रिकेट अकादमी में मध्य प्रदेश लीग और बुंदेलखंड बुल्स के सहयोग से अपना पहला हाई परफॉर्मेंस सेंटर (एचपीसी) शुरू किया। भारत की अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों के लिए एक व्यवस्थित रास्ता बनाने के महत्वाकांक्षी राष्ट्रव्यापी विज़न की शुरुआत करते हुए, इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र की छिपी हुई क्रिकेट प्रतिभा को सामने लाना और उभरती प्रतिभाओं के लिए पेशेवर, उच्च-प्रदर्शन वाले रास्ते उपलब्ध कराना है। भारतीय क्रिकेटर और अर्जुन पुरस्कार विजेता शिखर धवन के विज़न से प्रेरित, 'डा वन हाई परफॉर्मेंस सेंटर' को पूरे भारत में ऐसे कई केंद्रों में से पहले केंद्र के रूप में परिकल्पित किया गया है। विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे को दीर्घकालिक विकास दृष्टिकोण के साथ मिलाकर, इस पहल को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि यह युवा एथलीटों की पहचान करने, उन्हें प्रशिक्षित करने और खेल के उच्चतम

स्तरों के लिए तैयार करने के तरीके को नया रूप दे सके।शिखर धवन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'क्रिकेट ने मुझे सब कुछ दिया है, और मैंने हमेशा इस खेल को सार्थक तरीके से लौटाने की गहरी जिम्मेदारी महसूस की है। इस यात्रा को स्वयं जीने के कारण, मैं समझता हूं कि उच्चतम स्तर पर चैंपियन बनने के लिए क्या आवश्यक है। डा वन स्पोर्ट्स के माध्यम से हमारा उद्देश्य एक ऐसी प्रणाली तैयार करना है, जो युवा प्रतिभाओं को सही मार्गदर्शन, संरचना और मानसिकता प्रदान करे, ताकि वे सफलता के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें। डा वन हाई परफॉर्मेंस सेंटर उसी दिशा में एक कदम है। 'एमपीसीए के अध्यक्ष महानआर्यमन सिंधिया ने कहा, 'ग्राससरूट स्तर पर क्रिकेट में निवेश करना प्रतिभा की मजबूत श्रृंखला तैयार करता है, जिससे आने वाले वर्षों में भारत का क्रिकेट तंत्र स्थायी, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक स्तर पर अग्रणी बना रहेगा। ' डा वन ग्रुप की सीईओ अंशिता गुप्ता ने कहा, 'हम मध्य प्रदेश लीग, बुंदेलखंड बुल्स और आदित्य वर्ल्ड क्रिकेट अकादमी के साथ साझेदारी कर इस विजन को साकार करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। डा वन स्पोर्ट्स में हमारा ध्यान ऐसी अवसंरचना और अवसर तैयार करने पर है, जो युवा खिलाड़ियों को संभावनाओं से प्रदर्शन तक के सफर में सक्षम बनाए। यह सहयोग हमें एक मजबूत और व्यवस्थित पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में मदद करता है, जो हर स्तर पर खिलाड़ियों के विकास को समर्थन देता है। ' ग्वालियर स्थित डा वन एचपीसी का नेतृत्व पूर्व भारतीय क्रिकेटर और राष्ट्रीय चयनकर्ता सबा करीम तकनीकी निदेशक के रूप में करेंगे, जबकि शिखर धवन के बचपन के कोच मदन शर्मा मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

एचयूएल का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 21 फीसदी बढ़कर 2,994 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं (एफएमसीजी) बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। एचयूएल का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 21 फीसदी बढ़कर 2,994 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में शुद्ध लाभ 2,475 करोड़ रुपये रहा था।एचयूएल ने आय का विवरण देते बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में उत्पादों की बिक्री से प्राप्त राजस्व 8.13 फीसदी बढ़कर 16,172 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कुल खर्च 7.2 फीसदी बढ़कर 16,615 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, कंपनी की अन्य आय सहित कुल आय 5.01 फीसदी बढ़कर 16,580 करोड़ रुपये रही, जो 12 तिमाहियों में उसकी सबसे तेज वृद्धि है। एचयूएल ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का शुद्ध लाभ 15,059 करोड़ रुपये रहा है, जिसमें 'न्यूट्रिशनलैब' के विनिवेश से सहायता मिली। इस दौरान कंपनी की कुल आय 4.6 फीसदी बढ़कर 65,219 करोड़ रुपये हो गई।

स्टॉक मार्केट में आदिसॉफ्ट टेक की जोरदार एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन सॉल्यूशन प्रोवाइडर आदिसॉफ्ट टेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 172 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 19.19 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 205 रुपये के स्तर पर ही। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 215.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 43.25 रुपये प्रति शेयर यानी 25.15 प्रतिशत का फायदा हो गया।आदिसॉफ्ट टेक का 74.10 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 27 अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 77.45 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 98.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 120.16 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 47.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 43.08 लाख नए शेयर जारी किए गए थे।

पीलीभीत में बासमती और जैविक प्रशिक्षण केंद्र खुलेगा, एपीडा का यूपी सरकार से समझौता

नई दिल्ली। देश में बासमती चावल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए पीलीभीत में बासमती और जैविक प्रशिक्षण केंद्र खोला जायेगा। इसके लिए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ 70 वर्ष के पट्टे समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। पीलीभीत के टांडा बिजैसी में बासमती और जैविक प्रशिक्षण केंद्र-सह-प्रदर्शन फार्म की स्थापना के लिए भूमि हस्तांतरण को औपचारिक रूप दिया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक प्रस्तावित बासमती एवं जैविक प्रशिक्षण केंद्र-सह-प्रदर्शन फार्म लगभग सात एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इस केंद्र में सभागार, बासमती एवं जैविक खेती पर संग्रहालय और गैलरी, सम्मेलन कक्ष, प्रयोगशाला और जैविक खेती के लिए आवश्यक सामग्री के भंडारण की सुविधा उपलब्ध होगी। यह सुविधा बासमती एवं जैविक किसानों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में सहायक होगी और कृषि विशेषज्ञों एवं छात्रों के लिए एक संसाधन केंद्र के रूप में भी कार्य करेगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने इस पहल की सराहना करते हुए पीलीभीत को बासमती चावल के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र के रूप में विकसित करने की अपार संभावनाओं की जानकारी दी। जितिन प्रसाद ने भारत की पहली एआई-आधारित बासमती धान सर्वेक्षण परियोजना (2026-2028) का भी अनावरण किया, जिसे एपीईडीए अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ (एआरआईईए) के सहयोग से कार्यान्वित किया जाएगा।

रुपये की कमजोरी लगातार जारी, रिकॉर्ड लो तक लुढ़की भारतीय मुद्रा

नई दिल्ली। भारतीय मुद्रा रुपये की कमजोरी लगातार बढ़ती जा रही है। आज भारतीय मुद्रा ने 49 पैसे की कमजोरी के साथ 95.34 रुपये के रिकॉर्ड लो लेवल तक गोता लगाया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमत में तेजी, महीने का आखिरी दिन होने की वजह से इंपोर्टर्स की डॉलर डिमांड बढ़ने और विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय शेयर बाजार में अंधाधुध तरीके से बिकवाली कर अपना पैसा निकालने की वजह से रुपये पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी दबाव की वजह से इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा डॉलर की तुलना में आज एक बार फिर 95 रुपये के स्तर से नीचे चली गई। 30 मार्च के बाद पहली बार भारतीय मुद्रा की कीमत 95 रुपये प्रति डॉलर के स्तर से नीचे गई है। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 45 पैसे की कमजोरी के साथ 95.30 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रही थी। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन भारतीय मुद्रा 94.85 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।

महंगा हुआ कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने एलपीजी सिलेंडर की कीमत में जबरदस्त बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। हालांकि ये बढ़ोतरी सिर्फ कमर्शियल सिलेंडर यानी 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर में ही की गई है। आज सुबह से कमर्शियल सिलेंडर के भाव में लगभग एक हजार रुपये की बढ़ोतरी की गई है। राहत की बात है कि आज की इस बढ़ोतरी से 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर को बाहर रखा गया है। अब कमर्शियल सिलेंडर देश की राजधानी दिल्ली में 993 रुपये, मुंबई में 993 रुपये, चेन्नई में 990.50 रुपये और कोलकाता में 994 रुपये महंगा हो गया है। सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के अनुसार, आज कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में की गई बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब 19 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर

की कीमत 2,078.50 रुपये से बढ़ कर 3,071.50 रुपये हो गई है। इसी तरह कोलकाता में इसकी कीमत 2,208 रुपये से बढ़ कर अब 3,202 रुपये हो गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर 2,031 रुपये की जगह 3,024 रुपये में मिलेगा, जबकि चेन्नई में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2,246.50 रुपये से बढ़ा कर 3,237 रुपये कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा और अन्य व्यावसायिक संस्थानों में इस्तेमाल होने वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव पिछले पांच महीनों में छठी बार बढ़े हैं। इससे पहले एक अप्रैल को ये 218 रुपये तक महंगा हुआ था। वहीं मार्च में इसकी कीमत में दो बार बढ़ोतरी की गई । एक मार्च को इसकी कीमत 28 रुपये तक बढ़ी थी, जबकि सात मार्च को यह 114.5 रुपये महंगा हुआ था। इसी तरह फरवरी में इसके दाम में 49 रुपये और जनवरी में 111 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी, जबकि दिसंबर 2025 में 19 किलोग्राम के कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती की गई थी। राहत की बात ये है कि घर की रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर के भाव में एक बार फिर कोई बदलाव नहीं किया गया है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में सात मार्च 2026 को 60 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। आईओसी के अनुसार बिना सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत वर्तमान में दिल्ली में 913 रुपये है। मुंबई में इसकी कीमत 912.50 रुपये, कोलकाता में 939 रुपये और चेन्नई में 928.50 रुपये है। घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कालाबाजारी रोकने के लिए आज से ही गैस सिलेंडर की डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड सिस्टम को और सख्त कर दिया गया है। अब उपभोक्ता को सिलेंडर की डिलीवरी तभी की जाएगी, जब वो अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर आए ओटीपी को दिखाएगा। ओटीपी दिखाए बिना गैस सिलेंडर की डिलीवरी नहीं दी जाएगी। कहा गया है कि अगर किसी उपभोक्ता का मोबाइल नंबर गैस एजेंसी के पास अपडेट नहीं है, तो वो गैस डिलीवरी वाले ऐप के जरिए रियल टाइम में अपना मोबाइल नंबर अपडेट कर सकता है।

रेलटेल का चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन, आय 1680 करोड़ पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली । रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी की कुल आय 1680 करोड़ रुपये रही, जबकि शुद्ध लाभ 142 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बताया कि उसकी ऑपरेटिंग इनकम 1669 करोड़ रुपये रही, जो पिछली तिमाही के मुकाबले 83 प्रतिशत ज्यादा है। इसी अवधि में कंपनी का टर्नओवर 82 प्रतिशत और मुनाफा 127 प्रतिशत बढ़ा है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें तो रेलटेल ने 4328 करोड़ रुपये का कुल टर्नओवर और 346 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हासिल किया। यह पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः 22 प्रतिशत और 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजय कुमार ने कहा कि चौथी तिमाही में कंपनी ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले तीन वर्षों से लगातार आय और मुनाफे में वृद्धि टीम के प्रयासों को दर्शाती है। कंपनी के पास 11,466 करोड़ रुपये का मजबूत ऑर्डर बुक है, जिससे आने

वाले समय में आय बढ़ने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि रेलटेल भारतीय रेलवे के तहत एक नवरत्न पीएसयू है, जो देशभर में टेलीकॉम और आईटी सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी का विशाल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क और वाई-फाई इंफ्रास्ट्रक्चर हजारों रेलवे स्टेशनों पर सेवाएं दे रहा है।

पीएनजी और एलपीजी दोनों कनेक्शन रखने वाले घरों की पहचान कर रही सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने एलपीजी सब्सिडी के दुरुपयोग को रोकने के लिए एलपीजी और पीएनजी कनेक्शन रखने वाले घरों की पहचान करना शुरू कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने पीएनजी कनेक्शन धारकों को एलपीजी कनेक्शन रखने पर रोक लगा दी है। हालांकि, 43,000 उपभोक्ताओं ने अपने एलपीजी कनेक्शन को सरेंडर किया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में आयोजित अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार रसोई गैस पर दी जाने वाली सब्सिडी के दुरुपयोग को रोकने और पात्र उपभोक्ताओं तक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एलपीजी और पीएनजी दोनों कनेक्शन रखने वाले घरों को चिह्नित कर रही है। उन्होंने बताया कि दोहरा गैस कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ताओं का आकलन किया जा रहा है। अब तक 43,000 से अधिक ऐसे उपभोक्ता अपने एलपीजी कनेक्शन को सरेंडर कर चुके हैं। हालांकि, यह संख्या अपेक्षा से कम है। हमें यह आंकड़ा अधिक होने की उम्मीद है। सुजाता शर्मा ने बताया कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के संशोधित आदेश के अनुसार पीएनजी कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ताओं को अपना घरेलू एलपीजी कनेक्शन तत्काल सरेंडर करना होगा। इसके अलावा पीएनजी कनेक्शन धारकों को नया एलपीजी कनेक्शन लेने से भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकारी तेल कंपनियों और उनके वितरकों को ऐसे उपभोक्ताओं को एलपीजी कनेक्शन देने या सिलेंडर भरने से मना किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह कदम उन घरों के लिए एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से उठाया गया है, जिनके पास पाइपयुक्त रसोई गैस (पीएनजी) की सुविधा उपलब्ध नहीं है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट से ऊर्जा आपूर्ति पर बने वैश्विक दबाव के बीच भारत के लिए अपने गैस आवंटन को नए सिरे से समायोजित करना पड़ रहा है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 फीसदी कच्चा तेल, 50 फीसदी प्राकृतिक गैस और 60 फीसदी एलपीजी आयात करता है। मौजूदा हालात में सरकार ने नए एलपीजी कनेक्शन जारी करने पर भी फिलहाल रोक लगा दी है। उल्लेखनीय है कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आवश्यक वस्तु अधिनियम (एस्मा) के तहत 14 मार्च को जारी अधिसूचना में एलपीजी आपूर्ति एवं वितरण आदेश, 2000 में संशोधन करते हुए पीएनजी कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ताओं के लिए घरेलू एलपीजी कनेक्शन रखना या या उसे भराने को प्रतिबंधित कर दिया था।

वित्त वर्ष 2025-26 में इन्वेस्ट इंडिया ने 60 परियोजना में 6.1 अरब डॉलर के निवेश की सुविधा प्रदान की

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय निवेश संवर्धन और सुविधा एजेंसी इन्वेस्ट इंडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 में 14 राज्यों में 6.1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य की 60 परियोजनाओं को जमीन पर उतारने में मदद की है, उसे उम्मीद है कि इनसे 31,000 से अधिक नौकरियां पैदा होंगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के तहत राष्ट्रीय निवेश प्रोत्साहन एवं सुविधा एजेंसी इन्वेस्ट इंडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 6.1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य की 60 परियोजनाओं को शुरू करने में सहायता प्रदान की है। मंत्रालय ने कहा कि यह निवेश 14 राज्यों में हुए हैं और इनसे 31,000 से अधिक संभावित रोजगार सृजित होने का अनुमान है, जो भारत को एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में वैश्विक स्तर पर निरंतर और मजबूत

देश के रूप में दर्शाता है। मंत्रालय के अनुसार कुल निवेश का लगभग 42 फीसदी हिस्सा यूरोपीय देशों से हुआ है, जो भारत-यूरोप के मजबूत होते आर्थिक संबंधों को और मजबूती देता है।

डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने भारत के नीतिगत माहौल पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'भारत में निवेश की गति नीतिगत स्पष्टता, संस्थागत प्रतिबद्धता और वैश्विक निवेशकों के हमारी प्रणालियों में भरोसे का प्रत्यक्ष परिणाम है।'

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में इन्वेस्ट इंडिया द्वारा निवेशित 6.1 अरब अमेरिकी डॉलर भारत के नियामक वातावरण की मजबूती और इसके आर्थिक परिवर्तन की गहराई को दर्शाते हैं। उल्लेखनीय है कि इन्वेस्ट इंडिया भारत सरकार की राष्ट्रीय निवेश प्रोत्साहन एवं सुविधा एजेंसी है, जिसकी स्थापना 2009 में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन एक गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में हुई थी। यह एजेंसी इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, पूंजीगत वस्तुएं, वस्त्र, खाद्य एवं कृषि, फार्मास्यूटिकल्स, रसायन एवं महत्वपूर्ण खनिज तथा अवसंरचना जैसे उच्च प्रभाव वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती है।

आई-पैक के निदेशक और सह-संस्थापक विनेश चंदेल को पटियाला हाउस कोर्ट से मिली जमानत

एजेंसी

नई दिल्ली । आई-पैक के निदेशक और सह-संस्थापक विनेश चंदेल को पटियाला हाउस कोर्ट से जमानत मिल गई है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में विनेश चंदेल को ईडी ने गिरफ्तार किया था। पिछली सुनवाई में पाटियाला हाउस कोर्ट ने विनेश चंदेल की जमानत याचिका पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। ईडी ने विनेश चंदेल की जमानत का विरोध नहीं किया। बता दें कि पटियाला हाउस कोर्ट ने 28 अप्रैल को कथित कोयला चोरी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आई-पैक के को-फाउंडर और डायरेक्टर विनेश चंदेल को राहत देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने उनकी अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। विनेश चंदेल ने अपनी मां की गंभीर बीमारी का हवाला देते हुए अंतरिम जमानत की मांग की थी। हालांकि, अदालत ने उनकी अर्जी को अस्वीकार कर दिया था। इससे पहले, 23 अप्रैल को अदालत ने उन्हें

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धीरेंद्र राणा ने यह आदेश जारी किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद कोर्ट ने चंदेल को 7 मई तक न्यायिक हिरासत में भेजने का निर्देश दिया था। इससे पहले 14 अप्रैल को दिल्ली की एक अदालत ने चंदेल को 10 दिन की ईडी हिरासत में भेजा था। उन्हें देर रात अदालत में पेश किया गया था और सुनवाई देर रात तक चली थी। बता दें कि ईडी ने चंदेल को 28 मार्च को दर्ज ईसीआईआर के मामले में गिरफ्तार किया था। यह मामला आर्थिक अपराध शाखा की एफआईआर पर आधारित है, जिसमें एम/एस इंडियन पीएसी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, खातों में गड़बड़ी और गैर-हिसाबी धन के इस्तेमाल के आरोप हैं। ईडी ने अपनी रिमांड अर्जी में कहा था कि कंपनी के संस्थापक निदेशक चंदेल कथित अपराध से जुड़े धन के लेनदेन में सक्रिय रूप से शामिल थे और अवैध धन को पैदा करने, छिपाने और उसे वैध बनाने की प्रक्रिया में उनकी मुख्य भूमिका थी। एजेंसी के अनुसार, कंपनी ने पैसे लेने के लिए बैंक और नकद दोनों तरीकों का इस्तेमाल किया। कुछ भुगतान '50 प्रतिशत चेक' के साथ किए जाने के भी संकेत मिले हैं, जिससे पता चलता है कि रकम को अलग-अलग हिस्सों में लिया गया।

बड़ी गिरावट के साथ शेयर बाजार बंद, निवेशकों को 4.79 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी को लेकर बनी अनिश्चितता और इस वजह से कच्चे तेल की कीमत में आए उबाल ने आज घरेलू शेयर बाजार को बुरी तरह से झुलसा दिया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक आज बड़ी गिरावट के शिकार हो गए। बड़ी गिरावट के बाद दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे दोनों सूचकांक निचले स्तर से काफी हद तक रिकवरी करने में सफल रहे। हालांकि आखिरी घंटे के कारोबार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इन दोनों सूचकांकों की रिकवरी की कोशिश पर ब्रेक लग गया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत और निफ्टी 0.74 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार में मेटल, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी इंडेक्स आज 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.98 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 463.45 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 468.24 लाख करोड़ रुपये था।

सरकार ने रणनीतिक कार्यबल विस्तार के जरिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सुदृढ़ किया

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने वित्त वर्ष 2025-26 में बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) के माध्यम से 50 हजार से अधिक कर्मचारियों की भर्ती करके सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को सुदृढ़ किया है।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि डीएफएस ने सुनियोजित कार्यबल विस्तार, बेहतर परिचालन दक्षता और शासन-उन्मुख सुधारों के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में मानव संसाधन क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर और लक्षित उपाय किए हैं। मंत्रालय ने कहा कि यह रणनीतिक विस्तार परिचालन दक्षता, डिजिटल बैंकिंग और ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने के लिए एक सुनियोजित मानकीकृत भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा है। मंत्रालय के मुताबिक

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में भर्ती प्रक्रिया बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) के माध्यम से भाग लेने वाले बैंकों की विशिष्ट जनशक्ति आवश्यकताओं के अनुसार संचालित की जाती है। यह केंद्रीकृत और मानकीकृत ढांचा चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करता है। पीएसबी से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 50,552 उम्मीदवारों का चयन किया गया और उन्हें नियुक्ति पत्र जारी किए गए। यह बैंकिंग क्षेत्र की बढ़ती व्यावसायिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मानव संसाधन में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है। मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 30,827 था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 37,860 हो गया। मजबूत परिचालन क्षमता और कार्यभार का कम दबाव, ग्राहक सेवा वितरण और प्रतिक्रिया में सुधार, कम सुविधा प्राप्त क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार को समर्थन, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलने से ऋण तक पहुंच और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक देश की विकास यात्रा में प्रभावी ढंग से सहयोग करने में सक्षम होंगे। मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को पर्याप्त, कुशल और भविष्य के लिए तैयार मानव संसाधनों से लैस किया जाए, जिससे वे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने, आर्थिक गतिविधि का समर्थन करने और अर्थव्यवस्था की बदलती जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। यह पीएसबी में कार्यबल में स्पष्ट और निरंतर वार्षिक विस्तार और पीएसबी कार्यालयों में पर्याप्त कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक सुनियोजित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

फ्यूचर मार्केट में कच्चे तेल की जोरदार छलांग, ब्रेंट क्रूड 126 डॉलर के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्था के लिए परेशानी का माहौल बना दिया है। ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार के हाजिर सौदों के साथ ही वायदा बाजार में भी आज कच्चे तेल ने जोरदार तेजी दिखाई। वायदा बाजार में ब्रेंट क्रूड आज 126 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी फ्यूचर मार्केट में 111 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल की सप्लाई बुरी तरह से प्रभावित हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ईरान के साथ न्यूक्लियर डील होने तक होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी जारी रहेगी। ट्रंप के इस बयान के बाद इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज में ब्रेंट क्रूड का जून कॉन्ट्रैक्ट 7.10 प्रतिशत की उछाल के साथ 126.41 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में ये 121.32 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर सेटल हुआ। इसी तरह निमेक्स पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड का जून कॉन्ट्रैक्ट 5.23 प्रतिशत बढ़ कर 110.93 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सौदे के मामले में भी कच्चा तेल आज लगातार उबाल खाता रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहले सत्र के कारोबार में आज लगातार तेजी बनी रही। हालांकि दूसरे सत्र के कारोबार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट का रुख बनता हुआ नजर आया। इसके पहले बुधवार को ब्रेंट क्रूड 115.61 डॉलर प्रति बैरल के उच्च स्तर तक पहंचने के बाद 110.44 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर सेटल हुआ था। आज ब्रेंट ने 0.01 डॉलर की सांकेतिक कमजोरी के साथ 110.43 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की और थोड़ी देर में ही 114.47 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इसके बाद इसकी चाल में कमजोरी भी आई। फिलहाल भारतीय समय के मुताबिक शाम 5:45 बजे ब्रेंट क्रूड 1.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 108.96 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला ऑनईएमआई टेक्नोलॉजी का आईपीओ, 8 मई को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। फिनटेक कंपनी ऑनईएमआई टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस का 925.92 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू (आईपीओ) आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। निवेशक इसमें 5 मई तक बोली लगा सकेंगे। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 6 मई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 7 मई को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 8 मई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। शाम चार बजे तक इस आईपीओ को 24 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका था। किश्त ब्रैंड के तहत काम करने वाली ऑनईएमआई टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस के इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 162 रुपये से लेकर 171 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 87 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 87 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,877 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,401 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,131 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 925.92 करोड़ रुपये के 5,41,47,390 शेयर जारी होंगे। इनमें लगभग 850 करोड़ रुपये के 4,97,07,602 नए शेयर और लगभग 76 करोड़ रुपये के 44,39,788 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे।

जलूद सोलर प्लांट पीपीपी मोड में कार्य करने वाला देश का प्रथम संयंत्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जलूद सोलर पॉवर प्लांट का लोकार्पण प्रदेश के साथ देशभर के लिए महत्वपूर्ण है। लगभग 60 मेगावॉट क्षमता की इस परियोजना में भारत सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग मिला है। ग्रीन बॉन्ड स्कीम के माध्यम से इस परियोजना में देश की जनता को भागीदार (पार्टनर) बनाया है। पीपीपी मोड में कार्य करने वाला यह अपनी तरह का देश का प्रथम संयंत्र है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव खरगोन जिले में महेश्वर के निकट जलूद में 271 करोड़ की लागत से बने 60 मेगावाट सोलर पॉवर प्लांट का लोकार्पण कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां सूर्य के प्रकाश को बिजली के रूप में बदलकर इंदौर नगर निगम लाभान्वित हो रहा है। यह एक राष्ट्रीय उपलब्धि है और इसका श्रेय मध्य प्रदेश को जाता है। मुख्यमंत्री ने संयंत्र का लोकार्पण कर अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस परियोजना में कोई भी व्यक्ति एक-एक लाख के 10 बॉन्ड खरीद सकता है। एक लाख पर लगभग 8 प्रतिशत की बचत होगी, जिसका लाभ 20 साल तक मिलेगा। अगर जरूरत पड़े तो इस बॉन्ड को बेचा भी जा सकता है। इस प्रकार से राज्य सरकार ने घर बैठे लोगों को पैसे कमाने का अवसर दिया है। मध्य प्रदेश सबसे सस्ती बिजली देने वाला राज्य है। हमारी बिजली से दिल्ली में मेट्रो ट्रेन चल रही है।

उन्होंने कहा कि जलूद सोलर पॉवर प्लांट का भूमि-पूजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2023 में किया था। लोकार्पण अवसर पर प्रदेश में हरित ऊर्जा पर जारी कार्यों पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जलूद सोलर पॉवर प्लांट से दोहरा लाभ मिलेगा। इंदौर नगर निगम को बिजली तो मिलेगी ही, साथ में कार्बन उत्सर्जन भी कमी आएगी। बिजली उत्पादन में ग्रीन एनर्जी का नवाचार सर्वोत्तम है। इस परियोजना की लागत 10 साल में निकल जाएगी, अगले 10 साल सिर्फ लाभ के होंगे। मध्यप्रदेश बदल रहा है। एक समय था, जब रात में बिजली कटौती होती थी, दिन में बिजली तो मिलती ही नहीं थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंग्रेजी काल गणना के 12 महीने भी भारतीय खगोल मापदंड के आधार पर बने हैं। हमारे खगोल वैज्ञानिकों ने आर्यभट्ट के दौर में बता दिया था कि सूर्य की परिक्रमा करने में सभी ग्रहों को अलग-अलग समय लगता है। शनि ग्रह का एक वर्ष साढ़े 29 साल में पूर्ण होता है। सभी ग्रहों और नक्षत्रों की गति के आधार पर वैदिक ज्ञान से पता चलता है कि सूर्य और चंद्र ग्रहण कब होगा। मध्य प्रदेश के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से प्राचीन ज्ञान के आधार पर राज्य सरकार ने वैदिक घड़ी तैयार की है। पहले उज्जैन और उसके बाद काशी विश्वनाथ मंदिर में वैदिक घड़ी स्थापित की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने आज ही वाराणसी स्थित बाबा विश्वनाथ धाम में सम्राट विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का अवलोकन किया है। मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से सभी द्वादश ज्योतिर्लिंग परिसरों में यह वैदिक घड़ी लगाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महेश्वर-मंडलेश्वर क्षेत्र ज्ञान-विज्ञान का केंद्र रहा है। महर्षि मंडन मिश्र के नाम से प्रसिद्ध इसी क्षेत्र में उनका शंकराचार्य से शास्त्रार्थ हुआ था, तब मंडन मिश्र ने अपनी पत्नी को न्यायाधीश की जिम्मेदारी सौंपी थी। यह घटना देश के इतिहास में नारी सशक्तिकरण का सबसे बड़ा उदाहरण थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक माता अहिल्या बाई होल्कर ने कठिन दौर में भी देशभर के सनातनी मंदिरों को भव्यता के साथ विकसित किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में गेहूं का उपार्जन कार्य व्यवस्थित रूप से हो रहा है। हमारी सरकार ने 2 साल में गेहूं का भाव 400 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक बढ़ाकर किसानों को लाभ दिया है। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि आज इंदौर के इतिहास में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को ग्रीन एनर्जी का हब बनाने का संकल्प लिया है और इसी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव आगे बढ़ा रहे हैं। ग्रीन बॉन्ड से जुटाए फंड से जलूद में देश का पहला सोलर प्लांट बनकर तैयार हुआ है। इसके लिए इंदौर और महेश्वर की जनता को बधाई देता हूं।

डीयूजेए पर हमले के खिलाफ एकजुट हुए बांग्लादेशी पत्रकार, जवाबदेही की मांग

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश के करीब 370 कैंपस पत्रकारों (शैक्षिक संस्थानों में पत्रकारिता करने वाले छात्र) ने 'ढाका यूनिवर्सिटी जर्नलिस्ट एसोसिएशन' के सदस्यों पर हालिया हमले की कड़ी निंदा की। सभी ने एक स्वर में हमलावरों को कठोर दंड दिए जाने की मांग उठाई है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। जारी एक संयुक्त बयान में पत्रकारों ने इस घटना पर गहरी चिंता जताते हुए आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने आरोप लगाया कि हमला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के छात्र संगठन 'जातीयबादी छात्र दल' के नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया, जब डीयूजेए सदस्य अपने पेशेवर कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे। बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक द ढाका ट्रिब्यून ने यह रिपोर्ट दी। रिपोर्ट्स के अनुसार, शाहबाग पुलिस स्टेशन में उस समय हिंसक झड़प हुई जब सोशल मीडिया पर एक कथित आपत्तिजनक टिप्पणी वाला फर्जी स्क्रीनशॉट वायरल हुआ, जो प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बेटी जैमा रहमान से जुड़ा बताया गया।डीयूजेए के अनुसार, पत्रकार उस समय शाहबाग थाने में स्थिति को कवर कर रहे थे, जब उन पर हमला हुआ। संगठन ने आरोप लगाया कि छात्रदल के नेताओं ने पहले पत्रकारों को रोका, जिसके बाद 150 से 200 लोगों की भीड़ ने उन पर हमला कर दिया। इस घटना में करीब 10 पत्रकार घायल हो गए।

कोहिनूर को लेकर न्यूयार्क के मेयर जोहरान ममदानी का बड़ा बयान, बोले- हीरा भारत से की ब्रिटिश लूट का प्रतीक

न्यूयॉर्क । उपनिवेश-विरोधी बयानों से सुर्खियों में रहने वाले न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा है कि अगर ब्रिटेन के किंग चार्ल्स उनसे मिलते, तो वे उनसे कोहिनूर हीरा भारत को लौटाने के लिए कहते। उन्होंने कहा कि कोहिनूर हीरा ब्रिटिश शासन द्वारा भारत से की गई लूट का प्रतीक बन चुका है। ममदानी के इस बयान को उपनिवेशवाद के इतिहास और उससे जुड़े मुद्दों पर एक स्पष्ट रुख के रूप में देखा जा रहा है। ममदानी (स्थानीय समय) को 9/11 हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक समारोह के दौरान किंग चार्ल्स III से मिले। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दोनों को संक्षिप्त बातचीत करते हुए देखा गया, जिसमें किंग चार्ल्स मुस्कुराते नजर आए।हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका कि दोनों के बीच क्या बातचीत हुई और किंग चार्ल्स के हावभाव से यह भी नहीं लगा कि कोई गंभीर मुद्दा उठाया गया। यह मुलाकात भीड़भाड़ वाले माहौल में अन्य विशिष्ट लोगों के बीच हुई। इस मुलाकात से पहले न्यूयॉर्क सिटी के मेयर ने कहा था कि अगर उन्हें अलग से बात करने का मौका मिला, तो वे किंग चार्ल्स से कोहिनूर हीरा भारत को लौटाने का आग्रह करेंगे। चार्ल्स अमेरिका के चार दिन के दौरे पर हैं। अमेरिका अपनी आजादी की 250वीं सालगिरह मनाने की तैयारी में है। यह आजादी अमेरिका ने एक समय जॉर्ज तृतीय के शासन से जुड़ी ताकतों को खूनी क्रांति के जरिए हटाकर हासिल की थी।

संपत्ति जांच आयोग का दायरा तय, राष्ट्रपति और मौजूदा जजों को रखा गया इससे बाहर

काठमांडू। नेपाल सरकार ने प्रधानमंत्री से लेकर उपसचिव स्तर या उसके समान सार्वजनिक पदाधिकारियों की संपत्ति की जांच की व्यवस्था करते हुए संपत्ति जांच आयोग को कार्यादेश (टर्म्स ऑफ रेफरेंस) सौंप दिया। दो सप्ताह पहले गठित इस आयोग का कार्यादेश राजपत्र में प्रकाशित किया गया। इसी के साथ आयोग के औपचारिक रूप से काम शुरू करने का रास्ता साफ हो गया। कार्यादेश के अनुसार, वर्तमान न्यायाधीशों और नेपाली सेना के पदाधिकारियों के खिलाफ आयोग सीधे जांच नहीं कर पाएगा। जांच के दायरे में आने वालों की सूची में वर्तमान और पूर्व राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति शामिल नहीं है, लेकिन उनके सचिवालयों के अधिकारी इसमें शामिल होंगे। कार्यादेश में कहा गया है कि 'सार्वजनिक पद पर रहे या सेवानिवृत्त हो चुके पदाधिकारी और उनके परिवार के नाम पर देश और विदेश में मौजूद संपत्तियों का विवरण एकत्र कर उसकी जांच की जाएगी। सरकार ने उच्चतम न्यायालय के अवकाशप्राप्त न्यायाधीश राजेन्द्रकुमार भण्डारी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय आयोग का गठन किया है। आयोग में पूर्व मुख्य न्यायाधीश पुरुषोत्तम पराजुली, पूर्व न्यायाधीश चण्डीराज ढकाल, पूर्व डीआईजी गणेश केसी और चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रकाश लम्साल सदस्य हैं।

अमेरिका ने ईरान से मांगी परमाणु हथियार न रखने की गारंटी, बदले में किया शांति लौटाने का वादा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन और तेहरान के मध्य बढ़े हुए तनाव के बीच गुरुवार को कहा कि अगर ईरान को शांति चाहिए तो उसे कभी भी परमाणु हथियार न रखने की गारंटी देनी होगी। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका आज ईरान छोड़ दे, तब भी उसे फिर से खड़ा होने में 20 साल लग का समय लग जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर से दावा किया कि ईरान में युद्ध अमेरिका पहले ही जीत चुका है। मगर यह जीत बहुत छोटी है। अमेरिका को और बड़ी जीत चाहिए। ट्रंप ने कहा कि ईरान की नौसेना और वायुसेना के साथ उसका नेतृत्व भी तबाह हो चुका है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा, हमने सब कुछ तबाह कर दिया है। अगर हम अभी वहां से हट जाएं तो उन्हें फिर से सब कुछ खड़ा करने में 20 साल लग जाएंगे। इसमें शक है कि वह ऐसा कर पाएंगे। अमेरिका अभी और बहुत कुछ करना चाहता है।

आंग सान सू ची को जेल से हाउस अरेस्ट में किया गया शिफ्ट, बेटे ने दावों पर जताया संदेह

एजेंसी

नेपीडॉ/बैंकॉक। म्यांमार की सैन्य सरकार (जुंटा) ने देश की पूर्व लोकतंत्र समर्थक नेता और नोबेल पुरस्कार विजेता आंग सान सू ची को जेल से हटाकर 'हाउस अरेस्ट' (नज़रबंदी) में भेजने की घोषणा की है। सरकारी मीडिया के अनुसार, सैन्य प्रमुख मिन आंग लाइंग ने आदेश दिया है कि 80 वर्षीय सू ची अपनी शेष सजा अब एक तय आवास पर पूरी करेंगी। सू ची 2021 में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद से ही हिरासत में हैं और माना जाता है कि उन्हें अब तक राजधानी नेपीडॉ की एक सैन्य जेल में एकांत कारावास में रखा गया था। बेटे ने जताया जान का खतरा और संदेह

इस घोषणा के बाद आंग सान सू ची के बेटे किम एरिस ने सैन्य सरकार के दावों पर कड़ा संदेह जताया है।

बातचीत में किम ने कहा:

सबूतों का अभावः उन्होंने कहा कि उनके पास इस बात का कोई ठोस सबूत नहीं है कि उनकी माँ को वास्तव में शिफ्ट किया गया है या वे जीवित भी हैं।

पुरानी तस्वीरः सरकारी मीडिया द्वारा जारी की गई तस्वीर को किम ने 'बेमतलब' करार दिया। उनके अनुसार, यह तस्वीर 2022 की है, न कि वर्तमान की।

आशंकाः किम ने आशंका जताई है कि सैन्य शासन इस तरह की खबरें फैलाकर अंतरराष्ट्रीय दबाव को कम करने की कोशिश कर रहा है।

लोकतंत्र का संघर्ष और लंबी कैद

आंग सान सू ची म्यांमार में लोकतंत्र का सबसे बड़ा चेहरा रही हैं। 2015 में सत्ता में आने से पहले भी उन्होंने सैन्य शासन के खिलाफ संघर्ष करते हुए लगभग 15 साल नज़रबंदी में बिताए थे। 2021 में तख्तापलट के बाद उन पर भ्रष्टाचार और चुनावी धोखाधड़ी जैसे कई आरोप लगाकर लंबी सजा सुनाई गई है। वर्तमान में म्यांमार का सैन्य शासन आंतरिक विद्रोह और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण भारी दबाव में है, जिसे देखते हुए इस कदम को एक रणनीतिक चाल के रूप में देखा जा रहा है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की श्रमिक यूनियनों को चेतावनी, अत्यधिक मांगों से हो सकता है नुकसान

एजेंसी

सोल । दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने चेतावनी दी कि यूनियनबद्ध श्रमिकों की अत्यधिक मजदूरी संबंधी मांगें अंततः स्वयं यूनियनों और अन्य सहकर्मी कर्मचारियों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि श्रमिक संगठनों को मजदूरी और कार्य परिस्थितियों से जुड़े मुद्दों को उठाते समय अधिक जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने अपील की कि श्रमिक हितों की रक्षा के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था और अन्य कर्मचारियों के हितों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि किसी भी तरह का दीर्घकालिक नुकसान न हो। न्यूज एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, चेओंग वा डे में सीनियर सहयोगियों के साथ एक मीटिंग के दौरान ली ने कहा, 'कंपनियों को कॉर्पोरेट मैनेजमेंट में श्रमिकों के साथ कीमती साझेदार जैसा बर्ताव करना चाहिए, लेकिन श्रमिकों और श्रमिक संघ में भी जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए। ' ली ने कहा, 'अगर कुछ श्रमिक संगठन को बहुत ज्यादा या गलत, मतलबी मांगों के लिए लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ता है, तो इससे न सिर्फ यूनियनों को बल्कि दूसरे श्रमिकों को भी नुकसान होगा।' उन्होंने साथी मजदूरों के साथ एकता की भावना रखने की अपील की।

ली की यह बात तब आई, जब सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी की एक बड़ी श्रमिक संघ ने कंपनी के रिकॉर्ड हाई रेवेन्यू के हिसाब से ज्यादा बोनस की मांग करते हुए 21 मई से 18 दिन की आम हड़ताल करने की धमकी दी है। कुछ विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर हड़ताल प्लान के मुताबिक आगे बढ़ी तो ऑपरेटिंग लॉस 10 ट्रिलियन वॉन (673.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच सकता है।

ट्रंप का दावा-ईरान हुआ कमजोर, करना चाहता है समझौता

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान काफी कमजोर हो गया है और बातचीत के लिए उत्सुक है।

हालांकि उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर तनाव अब भी बना हुआ है। ट्रंप ने कहा, ईरान समझौता करने के लिए बेताब है। साथ ही उन्होंने दोहराया कि तेहरान 'परमाणु शक्ति नहीं बन सकता।' उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई ने ईरान की क्षमताओं को काफी हद तक कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा, 'उनकी नौसेना खत्म हो चुकी है। उनकी वायुसेना खत्म हो चुकी है... उनके ड्रोन कारखाने लगभग 82 प्रतिशत तक घट गए हैं। ' ट्रंप ने जोड़ा कि ईरान के मिसाइल उत्पादन पर भी असर पड़ा है। उन्होंने कहा, 'उनके मिसाइल कारखाने लगभग 90 प्रतिशत तक कम हो गए हैं। ' उन्होंने अमेरिकी अभियान को निर्णायक बताया। उन्होंने कहा कि हमने उनकी परमाणु क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर दिया है।ट्रंप ने ईरान के भीतर नेतृत्व अस्थिरता का भी संकेत दिया। उन्होंने कहा, 'हमारे सामने एक समस्या है क्योंकि किसी को ठीक-ठीक नहीं पता कि नेता कौन हैं। '

जारी तनाव के बावजूद उन्होंने अमेरिका के मजबूत आर्थिक संकेतकों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि आज हमने शेयर बाजार में एक नया उच्च स्तर छुआ है। ट्रंप ने कहा कि बातचीत की स्थिति के बारे में केवल सीमित लोगों को जानकारी है। मेरे और कुछ अन्य लोगों के अलावा किसी को नहीं पता कि बातचीत क्या है। उन्होंने संकेत दिया कि आर्थिक दबाव अमेरिकी रणनीति का मुख्य हिस्सा बना हुआ है। उन्होंने कहा, 'उन्हें तेल से कोई पैसा नहीं मिल रहा... नाकाबंदी बेहद कड़ी है। ' ट्रंप ने इस संघर्ष को परमाणु प्रसार रोकने के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि आप ईरान को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दे सकते। ईरान की आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है और उनकी अर्थव्यवस्था गिर रही है। यह स्थिति वैश्विक ऊर्जा बाजारों, खासकर तेल की कीमतों के लिए महत्वपूर्ण है, जो मध्य पूर्व में घटनाक्रम से प्रभावित होती हैं। भारत, जो ऐतिहासिक रूप से ईरान से तेल आयात करता रहा है, ऐसे घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखता है क्योंकि इनका ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा असर पड़ता है।

प्रदर्शनों में शामिल 21 वर्षीय युवक को दी गई फांसी, कड़ी सुरक्षा के बीच हुआ अंतिम संस्कार

एजेंसी

तेहरान/इस्फ़हान। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के खिलाफ जारी सख्त कार्रवाई के तहत एक और युवा प्रदर्शनकारी को फांसी की सजा दी गई है। बीबीसी न्यूज़ पर्शियन की रिपोर्ट के अनुसार, इस्फ़हान के रहने वाले 21 वर्षीय सासन आज़ादवर जोंग़ानी को 'दस्तगर्द जेल' में फांसी पर लटका दिया गया। ईरानी न्यायपालिका के आधिकारिक बयान के मुताबिक, सासन पर इसी साल जनवरी में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़काने और शासन को उखाड़ फेंकने की कोशिश करने का आरोप था। अधिकारियों का दावा है कि उन्होंने सुरक्षाकर्मियों को ले जा रही एक मिनीबस पर पत्थरों और डंडों से हमला किया था। साथ ही, उन पर अपने दोस्तों को प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए उकसाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के भी आरोप लगाए गए थे। मानवाधिकार संगठन सूत्रों के अनुसार, सासन का

अंतिम संस्कार बेहद गोपनीय और कड़े सुरक्षा घेरे में किया गया। प्रशासन ने इसके लिए एक 'सुरक्षित क्षेत्र' निर्धारित किया था और परिवार के केवल 10 करीबी सदस्यों को ही शामिल होने की अनुमति दी गई।

मानवाधिकार संगठनों ने उठाए सवाल अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इस अदालती प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है किः

आरोपी को निष्पक्ष कानूनी सहायता और वकील तक पहुंच नहीं दी गई।हिरासत के दौरान उनकी स्थिति के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की गई। ईरान में अक्सर दबाव और प्रताड़ना के जरिए 'इकबालिया बयान' लेने के पुराने रिकॉर्ड रहे हैं। यह फांसी ईरान में नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे युवाओं और सरकार के बीच बढ़ते तनाव का एक और उदाहरण है।

रेड क्रॉस-रेड क्रिसेंट से लेबनानी राष्ट्रपति ने की मुलाकात, इजरायली हमलों को बताया नियम विरुद्ध

एजेंसी

बेरूत । लेबनान के राष्ट्रपति जोसेउ आउन ने अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट के प्रतिनिधियों से मुलाकात में इजरायल की कार्रवाई पर चिंता जताई और कहा कि नागरिकों पर हो रहे हमले रोके जाएं और इसे मानवाधिकार नियमों के विरुद्ध बताया। लेबनानी राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स अकाउंट से इसे लेकर एक बयान जारी किया गया है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस एंड रेड क्रिसेंट सोसाइटीज के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत में उन्होंने कहा कि दक्षिण लेबनान में हमले अभी भी जारी हैं, जबकि संघर्षविराम की घोषणा हो चुकी है। उनके अनुसार, इन हमलों में आम लोग, पैरामेडिक्स, सिविल डिफेंस के कर्मचारी और राहत कार्य में लगे लोग भी इसकी जद में आ रहे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि घरों और पूजा स्थलों को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा है और हर दिन मरने और घायल होने वालों की संख्या बढ़ रही

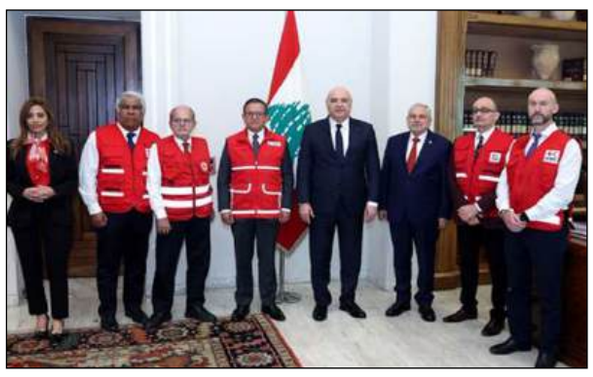

है। उन्होंने बताया कि अब तक लेबनानी रेड क्रॉस और अन्य संगठनों के करीब 17 पैरामेडिक्स और स्वयंसेवकों की जान जा चुकी है। पत्रकारों को भी निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा कि घायल लोगों को बचाने में लगे स्वयंसेवक बहुत बड़ा त्याग कर रहे हैं। यह काम वे पूरी निष्ठा और मानवता की भावना से कर रहे हैं, भले ही इसमें उनकी जान का खतरा क्यों न हो। उन्होंने यह भी कहा कि बचाव कार्य पहले से बता कर किए जाते हैं, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके, फिर भी उन पर हमले हो रहे हैं।

राष्ट्रपति ने यह भी मांग की कि लेबनानी कैदियों की जानकारी साझा करने में मदद की जाए। उनका आरोप है कि इजरायल कैदियों से मिलने या उनकी सेहत की जानकारी लेने के लिए अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति को अनुमति नहीं दे रहा है।

इस बीच, दक्षिण लेबनान में हमले जारी हैं। नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इजरायली हमलों में नौ लोगों की मौत हो गई। जेबचित में तीन लोगों की जान गई और सात घायल हुए। टूल में चार लोगों की मौत और छह लोग घायल हुए। हारूफ में दो लोगों की मौत हुई और एक घर पूरी तरह तबाह हो गया।

वहीं, इजरायली सेना ने दक्षिण लेबनान के कई कस्बों–अल-समनिएह, अल-हनिएह, अल-कलीला, वादी जिलों, अल-कनिसा, कफ़्र, मजदल जून और सिद्दिकीन–के लोगों को नए चेतावनी संदेश भी जारी किए हैं, क्योंकि हमले तेज किए जा रहे हैं।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने फारस की खाड़ी में 'अमेरिका बिना नई शुरुआत' का किया दावा

एजेंसी

तेहरान । ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने कहा है कि फारस की खाड़ी क्षेत्र में 'नई शुरुआत' हो रही है और इसका भविष्य 'अमेरिका के बिना' तय होगा। राज्य मीडिया के जरिए जारी बयान में खामेनेई ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से एक 'नया अध्याय' उभर रहा है। उन्होंने इसे अमेरिका की 'नाकामी' से जोड़ते हुए कहा कि क्षेत्र में दो महीने तक चले बड़े अभियान और आक्रामक कार्रवाई के बाद यह स्थिति बनी है। यह संदेश इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) द्वारा 'नेशनल पर्शियन गल्फ डे' के मौके पर जारी किया गया। यह दिन 1622 में पुर्तगाली सैनिकों को होर्मुज जलडमरूमध्य से बाहर निकाले जाने की याद में मनाया जाता है। खामेनेई ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य सदियों से बाहरी ताकतों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है और कई देशों ने यहां प्रभाव जमाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि फरवरी के अंत से ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल की ओर से शुरू की गई जंग के दौरान ईरानी लोगों ने अपने बलों की 'दृढ़ता, सतर्कता और साहस' को करीब से देखा है। उन्होंने दावा किया कि फारस की खाड़ी क्षेत्र का उज्ज्वल भविष्य बाहरी हस्तक्षेप से मुक्त होगा और यह अपने लोगों की प्रगति, सुविधा और समृद्धि के लिए काम करेगा। उनके अनुसार, यह बदलाव क्षेत्रीय देशों के हित में होगा और स्थानीय ताकतों की भूमिका को मजबूत करेगा।

गौरतलब है कि फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से बेहद अहम माना जाता है। इस क्षेत्र में लंबे समय से अमेरिका की सैन्य और रणनीतिक मौजूदगी रही है, जबकि ईरान लगातार इसका विरोध करता आया है। हालिया बयान ऐसे समय में आया है जब अस्थायी संघर्ष विराम के बीच भी शांति वार्ता को लेकर असमंजस बरकरार है और ओपेक से यूएई ने खुद को अलग कर लिया है। क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं।

जोहान्सबर्ग में भारत-दक्षिण अफ्रीका व्यापार संवाद, ग्लोबल साउथ में सहयोग पर जोर

एजेंसी

जोहान्सबर्ग। भारत के कार्यवाहक महावाणिज्य दूत हरीश कुमार ने बुधवार को जोहान्सबर्ग में आयोजित दक्षिण अफ्रीका-भारत व्यापार संवाद में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन यूनिवर्सल बिजनेस एंड कॉरपोरेट सर्विसेज सेंटर और पैलेटेबल पॉलिटिक्स ने संयुक्त रूप से किया। जोहान्सबर्ग में मौजूद महावाणिज्य दूतावास ने एक्स प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी। ऑनलाइन संवाद का मुख्य विषय 'ग्लोबल साउथ में व्यापार और सहयोग को मजबूत करना' था। कार्यक्रम में दोनों देशों के व्यापारिक, औद्योगिक और नीतिगत क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया और आपसी साझेदारी को आगे बढ़ाने के रास्तों पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान हरीश कुमार ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मजबूत

आर्थिक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दोनों देश लंबे समय से रणनीतिक साझेदार रहे हैं और व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी तथा क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

ग्लोबल साउथ के देशों के बीच सहयोग आज के समय में और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है, खासकर तब जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं और आर्थिक संतुलन तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में भारत और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की भूमिका और जिम्मेदारी बढ़ जाती है। संवाद के दौरान प्रतिभागियों ने व्यापार को आसान बनाने, निवेश बढ़ाने, छोटे और मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहन देने तथा डिजिटल और हरित अर्थव्यवस्था में साझेदारी जैसे मुद्दों पर विचार साझा किए। इसके अलावा, वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच बेहतर समन्वय और साझा मंचों को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया गया।इस कार्यक्रम को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आर्थिक सहयोग को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। साथ ही, यह संवाद ग्लोबल साउथ के देशों के बीच सहयोग बढ़ाने और साझा विकास के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभा सकता है।

ट्रंप ने फिर साधा जर्मन चांसलर मर्ज पर निशाना, ईरान-यूक्रेन को लेकर बढ़ी तकरार

एजेंसी

वाशिंगटन/बर्लिन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज पर लगातार दूसरे दिन जुबानी हमला बोला है। नसीहत दी कि उन्हें रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने और अपने देश के आंतरिक मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। ट्रुथ सोशल पर एक बार फिर उन्होंने मर्ज पर तंज कसा। ट्रंप ने बयान में कहा कि जर्मन नेतृत्व को रूस-यूक्रेन जंग को समाप्त करने में अधिक प्रभावी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जर्मनी को आव्रजन और ऊर्जा जैसे घरेलू संकटों को प्राथमिकता देनी चाहिए, बजाय उन देशों के मामलों में हस्तक्षेप करने के जो ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। एक दिन पहले (बुधवार) भी उन्होंने मर्ज की टिप्पणी पर ऐतराज जताया था। ट्रंप ने तंज कसते हुए लिखा, 'मर्ज को लगता है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना ठीक

है। उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। अगर ईरान के पास परमाणु हथियार होता तो पूरी दुनिया बंधक बन जाती। 'उन्होंने आगे कहा कि वह इस समय ईरान को लेकर ऐसे कदम उठा रहे हैं, जो पहले ही उठाए जाने चाहिए थे। साथ ही उन्होंने मर्ज पर निशाना साधते हुए जर्मनी के आर्थिक प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। ट्रंप की यह टिप्पणी उस समय आई है जब मर्ज ने ईरान को लेकर अमेरिकी रणनीति पर सवाल उठाए थे। मर्ज ने कहा था कि अमेरिका ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत को प्रभावी ढंग से आगे नहीं बढ़ा सका और कुछ वार्ताएं बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गईं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को जितना कमजोर समझा गया था, वह उससे कहीं ज्यादा मजबूत निकला और बातचीत में भी वह प्रभावी ढंग से अपनी स्थिति रख रहा है। मर्ज के अनुसार, अमेरिका के पास मौजूदा स्थिति से बाहर निकलने की कोई स्पष्ट रणनीति भी नजर नहीं आ रही है। यूक्रेन-रूस युद्ध और ईरान से जुड़े तनावों के बीच पश्चिमी देशों में रणनीतिक मतभेद उभरकर सामने आए हैं। नाटो के भीतर भी इन मुद्दों पर अलग-अलग राय देखने को मिल रही है, जिससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति और अधिक जटिल होती जा रही है।

यूएई ने अपने नागरिकों के ईरान, लेबनान, इराक जाने पर रोक लगाई

एजेंसी

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अपने नागरिकों के ईरान, लेबनान और इराक जाने पर रोक लगा दी है। संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि वह क्षेत्र में मौजूदा घटनाक्रमों को देखते हुए अपने नागरिकों के ईरान, लेबनान और इराक जाने पर रोक लगा रहा है। न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यूएई के विदेश मंत्रालय ने इन देशों में मौजूद अपने सभी नागरिकों से भी आग्रह किया कि वे जितनी जल्दी हो वहां से निकलें और सीधे संयुक्त अरब अमीरात लौट आएं। उधर, इस समय अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध के कारण संयुक्त अरब अमीरात भारी आर्थिक और रणनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावित होने से यूएई का तेल निर्यात बाधित हुआ। अमेरिका और खाड़ी देशों से पर्याप्त समर्थन न मिलने के कारण यूएई ने अपनी स्वतंत्र नीति अपनाते हुए 60 साल पुराना ओपेक संगठन छोड़ दिया है। ईरान ने यूएई के तेल प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों और औद्योगिक क्षेत्रों को ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाया है। खाड़ी सहयोग परिषद और अमेरिका से पर्याप्त सैन्य-राजनीतिक समर्थन न मिलने के कारण यूएई ने इस रुख की खुलकर आलोचना की।

प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में अफगानिस्तान 180 देशों में 175वें स्थान पर

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान को वर्ष 2026 के विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में 180 देशों में 175वां स्थान मिला है। स्थानीय मीडिया ने रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) के आंकड़ों के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान का कुल स्कोर 2025 में 17.88 से बढ़कर 2026 में 19.51 हो गया है, जो प्रेस स्वतंत्रता की स्थिति में मामूली सुधार दर्शाता है। हालांकि इसके बावजूद देश दुनिया के सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में शामिल है। आरएसएफ प्रेस स्वतंत्रता का आकलन पांच मानकों - राजनीतिक, आर्थिक, कानूनी, सामाजिक और सुरक्षा - के आधार पर करता है। राजनीतिक मानक, जिसमें मीडिया पर सरकारी प्रभाव और संपादकीय स्वतंत्रता को परखा जाता है, उसमें अफगानिस्तान 2025 के 163वें स्थान से सुधरकर 2026 में 158वें स्थान पर पहुंचा।

आर्थिक मानक, जिसमें पत्रकारिता की वित्तीय स्थिति, फंडिंग, विज्ञापन और मीडिया संस्थानों की स्थिरता को देखा जाता है, 2025 और 2026 दोनों में 165वें स्थान पर रहा।

कानूनी मानक, जिसमें प्रेस स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाले कानूनों और नियमों का आकलन किया जाता है, उसमें अफगानिस्तान लगातार 178वें स्थान पर बना रहा।

सामाजिक मानक, जिसमें सामाजिक दबाव, भेदभाव और सांस्कृतिक माहौल में पत्रकारों के स्वतंत्र रूप से काम करने की क्षमता को परखा जाता है, उसमें भी देश 175वें स्थान पर कायम रहा।

सुरक्षा मानक, जिसमें हिंसा, गिरफ्तारी और पत्रकारों को मिलने वाली धमकियों जैसे जोखिमों का मूल्यांकन होता है, उसमें अफगानिस्तान 2025 के 175वें स्थान से गिरकर 2026 में 177वें स्थान पर पहुंच गया।

आरएसएफ ने कहा कि अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान का मीडिया परिदृश्य पूरी तरह बदल गया। संगठन ने कहा कि तालिबान की वापसी ने प्रेस स्वतंत्रता की 'मौत की घंटी' बजा दी। अब मीडिया संस्थानों को ऐसे माहौल में सरकार नियंत्रित सूचनाएं प्रसारित करनी पड़ रही हैं, जहां न बहुलवाद है और न ही असहमति की आवाजें। रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान के सत्ता में लौटने के तीन महीने के भीतर 43 प्रतिशत मीडिया संस्थान बंद हो गए। देश के लगभग 12 हजार पत्रकारों में से दो-तिहाई से अधिक इस पेशे को छोड़ चुके हैं।महिला पत्रकारों पर भी बड़ा असर पड़ा है। 10 में से 8 महिला पत्रकार अब काम नहीं कर रहीं। आरएसएफ ने कहा कि 2021 के बाद कानूनी प्रतिबंधों में बढ़ोतरी हुई है। मीडिया सामग्री को नियंत्रित करने वाले नियमों और 2024 में लागू 'सदाचार के प्रसार और अवगुण रोकथाम' कानून के कारण कुछ टीवी चैनलों को बंद करना पड़ा और सामग्री पर और पाबंदियां लगीं। रिपोर्ट में कहा गया कि अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट आई है, जिससे स्वतंत्र मीडिया के लिए फंडिंग कम हुई और कई संस्थानों को बंद करना पड़ा या कामकाज सीमित करना पड़ा।

संगठन ने बताया कि सुरक्षा जोखिम अब भी बेहद ऊंचे हैं और पत्रकारों को तालिबान द्वारा गिरफ्तारी का लगातार डर बना रहता है। बिगड़ते हालात के चलते कई पत्रकार देश छोड़ने को मजबूर हुए हैं और अब केवल सीमित स्वतंत्र आवाजें ही देश के बाहर से सक्रिय हैं।

आरएसएफ के अनुसार, 2026 में अफगानिस्तान में चार पत्रकार अब भी हिरासत में हैं।

page 1 and 8 may 2_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/1/2026 11:22 PM Page 2

स्थानीय समाचार

40 वर्षों की सेवा के बाद वरिष्ठ क्राफ्ट शिक्षिका गुलनाज़ बेगम को भावभीनी विदाई

आमिर इकबाल खान

भद्रवाह, 01 मई।

लगभग चार दशकों तक समाज के विभिन्न वर्गों को कौशल विकास के माध्यम से सशक्त बनाने के बाद वरिष्ठ क्राफ्ट शिक्षिका गुलनाज़ बेगम को गुरुवार को तहसील समाज कल्याण कार्यालय द्वारा भावभीनी विदाई दी गई।

इस अवसर पर विभाग की ओर से एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों तथा

सेवानिवृत्त शिक्षिका के परिजनों ने भाग लिया। समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने उनके 40 वर्षों के उत्कृष्ट सेवाकाल को याद करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

सहकर्मियों ने गुलनाज़ बेगम के सहयोगात्मक स्वभाव और विभाग में उनकी मार्गदर्शक भूमिका की सराहना की। उन्होंने बताया कि बेगम ने हमेशा जमीनी स्तर पर योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए अथक प्रयास किए और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस दौरान तहसील समाज कल्याण अधिकारी भद्रवाह, शहनवाज़ अहमद ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गुलनाज़ बेगम की अनुशासनप्रियता और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अनुकरणीय रही है। उन्होंने कहा कि उनकी कार्यशैली और मानवीय दृष्टिकोण ने न केवल विभाग बल्कि समाज पर भी स्थायी प्रभाव छोड़ा है।

उन्होंने आगे कहा कि उनकी समर्पण भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनी रहेगी और समाज कल्याण क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के लिए एक मानक के रूप में स्थापित होगी।

समारोह के अंत में विभाग की ओर से गुलनाज़ बेगम को सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम भावुक माहौल में संपन्न हुआ, जहां उपस्थित सभी लोगों ने उनके स्वस्थ, सुखद और समृद्ध सेवानिवृत्ति जीवन की कामना की।

साहिब बंदगी द्वारा धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 01 मई । साहिब बंदगी के सद्गुरु श्री मधुपरमहंस जी महाराज ने आज बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर राँजड़ी, जम्मू में अपने प्रवचनों की अमृत वर्षा से संगत को निहाल करते हुए कहा कि इस संसार में कभी सुख नहीं मिल सकता है। सभी संतों ने एक स्वर में इसे दुखों का घर बोला है। ध्यान में बैठने के बाद आपको पता चलता है कि आपने बड़ी कोशिश की, पर आपका ध्यान कहीं ओर चला गया था। ध्यान आपका ही था, पर वो कहाँ चला गया। आपके ध्यान को कौन ले गया। आप जब भी ध्यान में बैठें, एकाग्र होकर बैठें। आप देखें कि काम, क्रोध आदि आत्मा नहीं है। इनसे स्तर्क रहना। जब आप पूरे एकाग्र हो जायेंगे, जब शरीर भी एकाग्र हो जायेगा, जब मन भी एकाग्र हो जायेगा, जब सुरति और निरति भी एकाग्र हो जायेगी तब जो एक पल आयेगा वो कल्पांतर की साधना से भी अधिक होगा।

इसलिए पूर्ण एकाग्र होकर बहुत मुश्किल है। आप शरीर रूपी रैन बसेरे में हैं। रैन बसेरे पर आपका कोई अधिकार नहीं होता है। बस रात बिताई और सुबह होते ही जाना पड़ेगा। ऐसा यह शरीर है। एक दिन निकलना पड़ेगा।

जब काम, क्रोध आते हैं तो आदमी खूँखार हो जाता है। हम सोचते हैं कि भक्ति बाद में करेंगे। नहीं, जितनी जलदी हो सके, जागो। पल पल करके समय नष्ट होता जा रहा है। नाम सुमिरन के बिना सब बेकार है। जैसे आकाश में बादल बारिश के बाद बिखर जाते हैं, ऐसे ही सब बिखर जायेगा। कुछ न रहेगा।

अचरज यह है कि यह जीव जानता भी है कि एक दिन इस संसार से चलना होगा। फिर भी अपने कल्याण की कोशिश नहीं कर रहा है।

कबीर साहिब बार बार समझा समझा कर कह गये हैं कि हे जीव, अपनी आत्मा के कल्याण के लिए संत सद्गुरु की खोज कर, क्योंकि संत सद्गुरु के पास ही वो सच्चा नाम है, जो तुम्हारी आत्मा को दुखों के सागर से छुड़ाकर अपने अमर देश में ले जायेगा।

बैंक के पास 2,000 रुपये के 98.47 फीसदी नोट आए वापस : आरबीआई

नई दिल्ली/मुंबई, 01 मई । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि चलन में रहे दो हजार रुपये मूल्य के 98.47 फीसदी नोट बैंक में वापस आ चुके हैं। हालांकि केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि 2,000 रुपये मूल्य के बैंक नोट अभी भी वैध मुद्रा बने हुए हैं।

आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये मूल्य के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। रिजर्व बैंक के मुताबिक 19 मई, 2023 को जब इस नोट को वापस लेने की घोषणा की गई थी, उस समय चलन में दो हजार रुपये के नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था, जो 30 अप्रैल, 2026 को घटकर 5,451 करोड़ रुपये रह गया है।

केंद्रीय बैंक ने जारी एक बयान में कहा, ‘इस प्रकार 19 मई, 2023 तक चलन में रहे 2,000 रुपये मूल्य के 98.47 फीसदी नोट वापस आ चुके हैं।’ बैंक ने बताया कि 19 मई, 2023 से उसके 19 निर्गम कार्यालयों में 2,000 रुपये के नोट बदलने की सुविधा उपलब्ध है। नौ अक्टूबर, 2023 से इन कार्यालयों में व्यक्ति और संस्थाएं अपने बैंक खातों में जमा के लिए भी ये नोट दे सकते हैं।

कठुआ में श्रम विभाग ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस– जागरूकता कार्यक्रम, नशा मुक्ति शपथ और श्रमिकों का सम्मान

कठुआ, 01 मई (हि.स.)। जिला कठुआ में श्रम विभाग द्वारा आज अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विभिन्न जागरूकता एवं आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान एक प्रमुख कार्यक्रम स्थानीय फैक्ट्री में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य श्रमिकों के योगदान को सम्मान देना तथा उन्हें उनके अधिकारों और कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों के श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रमिकों को हाल ही में लागू किए गए श्रम कानूनों जैसे वेज कोड, इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड और सोशल सिक्योरिटी कोड के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इन कानूनों के तहत मिलने वाले लाभ, सुरक्षा प्रावधान और श्रमिक अधिकारों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर सहायक श्रम आयुक्त कठुआ पियूषा खजूरिया ने संबोधित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और श्रमिकों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी से ही इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव है।

कार्यक्रम के तहत नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें श्रमिकों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। श्रमिकों के उत्कृष्ट योगदान को सराहते हुए विभिन्न क्षेत्रों के श्रमिकों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, श्रम विभाग द्वारा एक विधिक साक्षरता सत्र भी

आयोजित किया गया, जिसमें श्रमिकों को उनके अधिकारों, कर्तव्यों और उपलब्ध कानूनी सहायता के बारे में जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष निदेशालय के सहयोग से कार्यक्रम स्थल पर एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर भी लगाया गया, जिसमें श्रमिकों को स्वास्थ्य जांच, परामर्श और स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसी तरह के कार्यक्रम जिले के अन्य हिस्सों में भी आयोजित किए गए। भवन निर्माण कामगार यूनियन के सहयोग से आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में बड़ी संख्या में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों ने भाग लिया। इस दौरान श्रमिकों को उनके अधिकारों, जिम्मेदारियों और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। पूरे कार्यक्रम में श्रमिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली और श्रम के सम्मान की भावना को मजबूती मिली।

धनिया की उन्नत खेती

सी एम शर्मा

धनिया मसाले की महत्वपूर्ण फसल है। धनिया का प्रयोग मसाले के साथ-साथ सुगंध के रूप में सब्जियों आदि में हरी पत्तियों का प्रयोग जाता है। इसकी खेती पंजाब, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, बिहार, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कनार्टक तथा उत्तरप्रदेश में अधिक की जाती है।

⏩ धनिया की उन्नत खेती

लगभग 3 लाख टन के औसत वार्षिक उत्पादन के साथ भारत विश्व में धनिया का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक है। इसके उत्पादन में वर्ष दर वर्ष व्यापक उतार चढ़ाव रहता है। गत दशक में इसमें 2 लाख टन से लेकर 4 लाख टन ऊपर तक का परिवर्तन आया है।

⏩मिट्टी एवं जलवायु

धनिया के लिए दोमट, मटियार या कछारी भूमि जिसमें पर्याप्त मात्रा में जीवांश और अच्छी जल धारण की क्षमता हो, उपयुक्त होती है। भूमि में जल निकास की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। इस फसल को शुष्क ठण्डे मौसम की आवश्यकता होती है।

⏩धनिया की उन्नत किस्में

धनिया की उन्नत खेती

निम्नलिखित धनिया की उन्नत किस्में है – पंत धनिया –1, मोरोक्कन, सिम्पो एस 33, गुजरात धनिया –1, गुजरात धनिया –2, ग्वालियर न.–5365, जवाहर धनिया –1, सी. एस.–6, आर.सी.आर.–4, यु. डी.–20,436, पंत हरीतिमा, सिंधु आदि है।

⏩भूमि की तैयारी

अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अच्छे तरीके से बुवाई पूर्व पलेवा लगाकर भूमि की तैयारी करनी चाहिए। जुताई से पहले 5–10 टन प्रति हेक्टेयर पक्की हुई गोबर की खाद मिलाएं। धनिया की सिंचित फसल के लिए 5–5 मीटर की क्यारिया बना ले। जिससे पानी देने में एवं निराई–गुड़ाई आदि कार्य करने में आसानी हो।

⏩धनिया की फसल बोने का समय

सामान्यत: धनिया की फसल के लिए 15 अक्टुंबर से 15 नवंबर तक बुवाई का उचित समय रहता है। बुवाई के समय अधिक तापमान रहने पर अंकुरण कम हो सकता है। अधिक उपज पाने के लिए 1 अक्टुंबर से 15 अक्टुंबर तक बीज बोना चाहिए। बुवाई का निर्णय तापमान देख कर ले। क्षेत्रों में पला अधिक पड़ता है वहां धनिया की बुवाई ऐसे समय में न करे, जिस समय फसल को अधिक नुकसान हो।

⏩बीज की मात्रा

अच्छे उत्पादन के लिए धनिया का 15 से 20 किग्रा./हे. बीज पर्याप्त होता है।

⏩बीज उपचार

बीज उपचार के लिए 2 ग्राम कार्बेंडाजिम पर किग्रा बीज की दर से उपचारित करे। बुवाई से पूर्व दाने को दो भागों में फोड़ दे। ऐसा करते समय ध्यान दे अंकुरण भाग नष्ट न होने पाए तथा अच्छे अंकुरण के लिए बीज को 12 से 24 घंटे पानी में भिगो कर हल्का सूखने पर बीज उपचार करके बोए।

⏩बुवाई की विधि

25 से 30 से.मी. कतार से कतार को दुरी और 5 से 10 से.मी. पौधों से पौधे की दुरी रखना चाहिए। असिंचित फसल से बीजों को 6 से 7 से.मी. गहरा बोना चाहिए तथा सिंचित फसल में बीजों को 1.5 से 2 से.मी. गहराई पर बोना चाहिए क्योंकि ज्यादा गहरा बोने से सिंचाई करने पर बीज पर मोटी परत जम जाती हैं। जिससे बीजों का अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता हैं।

⏩खाद एवं उर्वरक

अच्छी फसल के लिए खाद एवं उर्वरकों की सही संतुलित मात्रा अच्छी उपज प्रदान करती हैं। जहां तक संभव हो मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों की मात्रा को सुनिश्चित करना उचित रहता हैं। वैसे फसल के लिए अच्छी पकी गोबर की खाद 15–20 टन प्रति हेक्टेयर बुवाई पूर्व खेत में भली प्रकार मिलाये।

बीज उपचार के बाद एजेक्टोबेक्टर तथा फास्फेट सोल्युबलाइजिंग (पी.एस.बी.) बैक्टीरिया से उपचारित करना चाहिए। सिंचित क्षेत्रों के लिए सामान्यत: नत्रजन,फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 60ः40ः30 की.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देना चाहिए। इसमें नत्रजन की की 1/3 मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की सम्पूर्ण मात्रा खेत की अंतिम तैयारी के समय बुवाई पूर्व देना चाहिए तथा शेष 2/3 नत्रजन को दो बराबर भाग में बाटकर प्रथम सिंचाई के समय एवं शेष द्वितीय मात्रा फूल आते समय खड़ी फसल में यूरिया द्वारा देना लाभप्रद हैं। असिंचित क्षेत्रों के लिए नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश क्रमश: 60:40:30 की.ग्रा./हेक्टेयर की दर से बुवाई के समय भूमि में देना चाहिये।

⏩निराई–गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

धनिये में प्रारम्भिक बढ़वार बहुधा धीमी गति से होती हैं इसलिए नराई–गुड़ाई करके खरपतवारों को निकलना चाहिए वर्ण फसल की बढ़वार रुक जाती हैं। सामान्यत: धनिये में दो निराई–गुड़ाई पर्याप्त होती है। प्रथम निराई–गुड़ाई के 30–35 दिन पर अवश्य कर देना चाहिए। साथ ही इसी दौरान पौधे से पौधे की दुरी विरलीकरण द्वारा 5–10 से.मी. कर देना चाहिए, दूसरी निराई–गुड़ाई 60 दिन बाद करें। इससे पौधों में बढ़वार अच्छी होने के साथ–साथ बचे हुए खरपतवार भी नष्ट हो जाते हैं एवं उपज पर अच्छा प्रभाव पड़ता हैं। खरपतवार नियंत्रण के लिए पेन्डीमिथालीन 1लिटर/हैक. 600 लीटर पानी में मिलाकर अंकुरण पूर्व छिड़काव करें पर ध्यान रखें की छिड़काव के समय भूमि में पर्याप्त नमी होनी चाहिए तथा छिड़काव शाम के समय करें तो उचित रहता हैं। फसल की आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सिंचित क्षेत्र के लिए सामान्यत: पलेवा के अतिरिक्त 2–3 सिंचाई की आवश्यकता होती हैं। वैसे सिंचाई की संख्या बुवाई के समय, भूम का प्रकार एवं स्थानीय मौसम के ऊपर निर्भर होने के आधार पर सिंचाई संख्या कम एवं ज्यादा भी हो सकती हैं सिंचाई धनिये की क्रांतिक अवस्था जैसे बीज अंकुरण के समय (30–35दिन), शाखाएं निकलते समय (60–70दिन), फूल आने के समय (80–90 दिन) तथा पुष्ट होने की अवस्था में (100–105 दिन) में सिंचाई करना लाभकारी रहता हैं।

⏩प्रमुख रोग एवं नियंत्रण

उकठा (म्लानि) रोग

इस रोग से प्रभावित होने पर पौधे का शीर्ष भाग मुरझाकर सूखने के साथ साथ पौधा भी सूखने लगता है एवं बाद में पौधा मर जाता है। जड़ो का रंग भूरा हो जाता है। यह रोग पौधे की किसी भी अवस्था में हो सकता है। लेकिन इसका प्रकोप पौधे की छोटी अवस्था में अधिक होता है।

⏩नियंत्रण

ग्रीष्म कालीन गहरी जुताई करें। फसल चक्र अपनाये सम्भव हो सके तो 2–3 वर्ष तक उसमे धनिया नहीं बोए।

रोग रोधी किस्मों का चयन करें।

स्वस्थ एवं प्रमाणित बीज ही बोए।

बीजोपचार 1.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम + 1.5 ग्राम थाइरम (1ः1) किग्रा. बीज की दर से बुवाई पूर्व उपचारित कर बोए।

⏩चूर्णी फफूंदी रोग

यह रोग एरिसाइफी पोली गोनाई नामक फफूंदसे फैलता है। यह रोग फरवरी एवं मार्च महीने में अधिक नुकसान पहुंचाता है। इस रोग में पौधे की पतियों एवं तनो पर सफेद चूर्ण जैसे धब्बे दिखाई देते है जो बाद में सफेद पाउडर में बदला जाते है। यह फसल की उपज पर प्रभाव डालता है।

⏩नियंत्रण

गंधक चूर्ण 20–25 किग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से भुरकें या फिर घुलनशील गंधक चूर्ण 2 ग्राम या डायनोकेप 48ब्त ई.सी. 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। या केलिक्जिन 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें। आवश्यकता होने पर 15 दिन के अंतराल पुन: छिड़काव करें।

⏩झुलसा रोग

इस रोग के प्रभाव से पौधे की पत्तियों और तनों पर गहरे भूरे रंग के या फिर झुलसने की तरह के धब्बे बन जाते है और पौधा नष्ट हो जाता है।

⏩नियंत्रण

मेंकोजेब 2 ग्राम या ट्रायडिमेफोन 1 ग्राम दवा/लीटर पानी की दर से या सीस्थेन 400 मि.ग्रा./लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। आवश्यक हो तो दूसरा छिड़काव दोहराए।

⏩ स्टेम गाल (तनापिटिका रोग)

रोग ग्रसित पौधों में पतियों में व तनों में फफोले के आकार बन जाते है तथा बीजों का आकर भी बदलकर लॉन्ग की तरह हो जाता है। इसलिए इसे लोंगिया रोग भी कहते है। नमी की उपस्थिति में यह रोग ज्यादा फैलता है।

⏩नियंत्रण

ग्रीष्म कालीन गहरी जुताई करें।

फसल चक्र अपनाये सम्भव हो सके तो 2–3 वर्ष तक उसमे धनिया नहीं बोए।

रोग रोधी किस्मों का चयन करें।

स्वस्थ एवं प्रमाणित बीज ही बोए।

बीज उपचार के साथ–साथ केलिक्जिन 1ब्त का घोल बनाकर बुवाई के 30–45 दिन पश्चात छिड़काव करने पर रोग की तीव्रता को रोका जा सकता है।

⏩प्रमुख रोग एवं कीट नियंत्रण

कटवर्म या वायर वर्म

भूरी सुंडी वाला यह कीट पौधों को शाम के वक्त भूमि की सतह से काट देता हैं। जबकि वायर वर्म भूमि में रहकर जड़ों को नुकसान पहुंचाता हैं।

⏩नियंत्रण

बुवाई पूर्व एण्डोसल्फान चूर्ण 4ब्त 20–25 की.ग्रा. प्रति हैक्टेयर की दर से भूमि में बुवाई पूर्व भली–भांति मिलावें या क्लोरपायरीफास 1.3 प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई पूर्व भूमि में छिड़ककर मिलावें फिर बुवाई करें।

⏩मोयला (माहू)

फूल आने के समय सामान्यत: इस कीट का प्रकोप होता हैं। यह कीट पौधों के कोमल भागों से रस चूसकर पौधें को नष्ट कर देते हैं। इस कीट का प्रकोप देरी से बुवाई करने पर फरवरी माह में फूल अवस्था पर अधिक होता हैं। इस कीट द्वारा रस चूसने से फसल पिली पड़ जाती हैं तथा तने सिकुड़े हुए हो जाते हैं। जिससे फसल का बाजार भाव कम मिलता हैं एवं देखने में आकर्षक नहीं रहते हैं।